आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 162 | इंदौर, शुक्रवार 09 जनवरी, 2026 | माघ कृष्ण 6 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर ईडी के छापे

कोलकाता। एन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। पश्चिम बंगाल में कोलकाता समेत 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता में प्रतीक छापेमारी के दौरान घर पर ही मौजूद रहे। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11.30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का निधन

पटना। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का 49 साल की उम्र में निधन हो गया। अग्निवेश अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 जनवरी को अस्पताल में ही उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। पिता अनिल अग्रवाल ने रात करीब 10 बजे सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अनिल अग्रवाल ने लिखा हमें लगा था कि बुरा वक्त बीत चुका है। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अचानक आए कार्डियक अरेस्ट ने हमारे बेटे को हमसे छीन लिया। उन्होंने अपने बेटे को याद करते हुए लिखा कि यह उनके जीवन का सबसे कठिन और अंधकारमय दिन है।

बठिंडा कोर्ट से कंगना रनोट को झटका

किसान अंदोलन मानहानि केस: 15 जनवरी को पेश न होने पर जारी होगा गिरफ्तारी वारंट

बठिंडा। फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बठिंडा की एक अदालत ने मानहानि मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कंगना को 15 जनवरी को हर हाल में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। कांगना की ओर से कोर्ट से व्यक्तिगत रूप से पेश न होने के छूट मांगी गई थी।

अदालत का कड़ा रुख: बुजुर्ग महिला महिंदर कौर के वकील रघुबीर सिंह बहनीवाल ने जानकारी दी कि अदालत ने कंगना के वकील द्वारा दायर 'पेशी से छूट' की अर्जी को सिरे से खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट आदेश जारी किया है कि यदि कंगना रनौत आगामी 15 जनवरी को कोर्ट में उपस्थित नहीं होती हैं, तो उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा और उनका बेल ऑर्डर (जमानत) भी रद्द कर दिया जाएगा। यह विवाद दिल्ली की सीमाओं पर हुए किसान आंदोलन के समय शुरू हुआ था। बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया की रहने वाली बुजुर्ग महिला महिंदर कौर ने कंगना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि कंगना ने सोशल मीडिया पर महिंदर कौर की फोटो साझा करते हुए टिप्पणी की थी कि ऐसी महिलाएं धरने पर 100-100 रुपए लेकर आती हैं। कंगना ने इस मामले को रद्द करवाने के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका को अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद अब उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश होना ही होगा।

तेलंगाना में पेड़ से टकराई एसयूवी 4 छात्रों की मौत, एक गंभीर घायल

रंगारेड्डी। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मिर्जागुडा इलाके में तेज रफ्तार एसयूवी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भयानक था कि कार में सवार चार छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना रंगारेड्डी जिले के मोकिला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। हादसे के बाद सामने आए वीडियो में दुर्घटना की भयावहता साफ नजर आ रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एसयूवी का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और वाहन का ढांचा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। माना जा रहा है कि इसी वजह से कार में सवार चार छात्रों की जान नहीं बच सकी।

फाइनेंसर ने पत्नी और 2 मासूम बेटियों को गोली मारकर खुद को उड़ाया

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के हरमन नगर इलाके में एक हंसते-खेलते परिवार का बेहद दर्दनाक अंत हो गया। यहां रहने वाले फाइनेंसर और सैलून मालिक माही सोढ़ी (अमनदीप सिंह) ने अपनी पत्नी और दो मासूम बेटियों की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वारदात का खुलासा तब हुआ, जब सुबह घर में काम करने वाली सफाई कर्मचारी पहुंची। उसने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया और आवाजें दीं, लेकिन अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। घबराकर उसने ऊपर की मंजिल पर रहने वाले किराएदार को सूचित किया।

दिग्विजय ने सोशल मीडिया पर लिखा- इंदौर में हुई मौतों की जांच हाईकोर्ट जज से कराएं

प्रभारी मुख्यमंत्री से कोई सवाल क्यों नहीं पूछ रहा : पूर्व सीएम

दैनिक अवन्तिका ▶▶ भोपाल

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में गंदा पानी पीने से 20 लोगों की मौत के मामले ने अब सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के फेसबुक पोस्ट और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के पत्र ने सरकार और प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया है। कांग्रेस ने इसे सिर्फ प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संस्थागत अपराध करार दिया है।

दिग्विजय सिंह ने भावुक लेकिन सख्त शब्दों में लिखा कि इंदौर उनका बचपन का शहर है, राज्य की आर्थिक राजधानी है और देश का सबसे स्वच्छ शहर भी। ऐसे शहर में गंदा पानी पीने से 20 मौतें होना शहर के माथे पर कलंक है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब तक मौतों का आंकड़ा 2 से 4 रहा, तब तक सिस्टम सोता रहा। जैसे ही मौतें बढ़ीं, जिम्मेदारी की टोपी एक-दूसरे को पहनाई जाने लगी। मंत्री अफसरों पर, अफसर मेयर पर और मेयर व्यवस्था पर दोष डालते रहे।

सीएम हर दूसरे दिन इंदौर आते है, लेकिन चुप क्यों?

दिग्विजय सिंह ने सीधा सवाल किया कि मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश (प्रभारी मुख्यमंत्री) हर दूसरे दिन इंदौर आते हैं, लेकिन सिर्फ मुआवजा देकर चुप क्यों हो गए? उन्होंने कहा कुछ ट्रांसफर और मुआवजे से न तो जान लौटती है और न ही शहर का कलंक धुलता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की है कि पूरे मामले की न्यायिक जांच हो। हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच कराई जाए। पब्लिक हियरिंग हो। दोषियों की पहचान कर उन्हें सजा दी जाए। दिग्विजय का कहना है कि गलतियों पर पर्दा डालना नहीं, जिम्मेदारी तय करना ही इंसाफ है।

पटवारी का पत्र- सिस्टम फेल, जवाबदेही तय हो

इधर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले में इंदौर की जनता के नाम पत्र लिखकर इसे प्रशासनिक लापरवाही नहीं, शासन की विफलता बताया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए दुनिया में पहचान रखने वाला इंदौर आज जहरीले पानी से मौतों के कारण शर्मिंदगी का कारण बन गया है।

पवन खेड़ा बोलेः इंदौर में मौतें हो रहीं, सीएम गाना गा रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस मीडिया एंड कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के प्रमुख पवन खेड़ा ने इंदौर में दूषित पेयजल से हुई 18 मौतों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खेड़ा ने कहा कि मध्य प्रदेश वह राज्य है, जहां लंबे समय से भाजपा का शासन है और उसी दौर में इंदौर को स्वच्छ भारत अभियान में लगभग आठ बार पहला स्थान मिला। आज उसी नंबर-वन शहर में लोग गंदा पानी पीकर मर रहे हैं। यह सरकार के नारों और दावों की पूरी पोल खोल देता है। पवन खेड़ा ने कहा कि क्लीन सिटी इंदौर, स्मार्ट सिटी इंदौर और हर घर जल योजना तीनों के दावों का सच इंदौर में सामने आ गया है। हर घर पाइप्ड वॉटर योजना के तहत पाइपलाइन बदलने के ठेके का अप्रूवल जुलाई 2022 में मिल चुका था। सिर्फ कंपनी फाइनल होनी थी, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अधिकारी और सरकार कमीशन तय होने का इंतजार कर रहे थे, इसलिए लोगों की जान दांव पर लगा दी गई? खेड़ा ने कहा कि यह सिर्फ इंदौर की कहानी नहीं है। गुजरात के गांधीनगर जहां से अमित शाह आते हैं, वहां टाइफाइड फैल रहा है, लेकिन इस पर टीवी डिबेट नहीं होती। दिल्ली की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि पहले पानी पीला था, अब काला हो गया है। पूरे देश में हवा में जहर, पानी में जहर, दवाइयों, कफ सिरप और खाने-पीने की चीजों में मिलावट है। अगर कुछ कसर बची है, तो वह भाजपा नेताओं की जुबान में जहर से पूरी हो जाती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यही है भाजपा का अमृत काल।

नेता प्रतिपक्ष बोले- इंदौर के आठ बार स्वच्छता अवॉर्ड पर संदेह

इंदौर की घटना को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बड़ा खुलासा किया है। सिंघार ने बुधवार को देश के सबसे साफ शहर इंदौर का वाटर ऑडिट किया था। इस दौरान पानी की हकीकत पर बनी शॉर्ट फिल्म का आज प्रदर्शन किया गया। सिंघार ने कहा कि इंदौर की घटना की जिम्मेदार जवाबदारी लेने को तैयार नहीं हैं। सरकार की नाकामियों ने मां नर्मदा को भी दूषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश में हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाकर मुद्दे से भटकाते हैं। इंदौर को 8 बार स्वच्छता के लिए अवॉर्ड मिला इसमें भी गड़बड़ है। कागजों की गड़बड़ी की गई है, मैं जिम्मेदारी से कह सकता हूं इसमें फर्जीवाड़ा हुआ है। प्रशासन की निष्पक्षता ने दम तोड़ दिया, कांग्रेस के नेताओं को पीड़ितों से मिलने से रोका गया। सरकार मौतों के आंकड़े छुपाना चाहती है, क्या मुआवजा राशि छुपाना चाहते हैं?

पटवारी ने पत्र में मांग की

- पूरे जल सप्लाई सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए।
- दोषी अफसरों और जिम्मेदार एजेंसियों पर आपराधिक कार्रवाई की जाए।
- पीड़ित परिवारों को सिर्फ मुआवजा नहीं, न्याय की गारंटी दी जाए।

भारत पर 500% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है।

रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद में बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है। बिल का नाम 'सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025' है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लड़ने में मदद मिल रही है।

अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर निकलेगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को आधिकारिक रूप से बाहर निकालने की घोषणा की है। द गार्डियन के मुताबिक इसमें 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं शामिल हैं। व्हाइट हाउस और स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार ये संगठन अमेरिकी हितों के खिलाफ हैं। इनमें पैसों की बर्बादी होती है। इसके अलावा ये गैरजरूरी या खराब तरीके से चलाए जा रहे हैं। इस कदम को ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का हिस्सा बताया जा रहा है, जो वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाने पर जोर देती है। अमेरिका भारत की पहल से बने संगठन इंटरनेशनल सोलर अलायंस को भी छोड़ रहा है। इसे 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन फ्रेंच राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने पेरिस जलवायु सम्मेलन में शुरू किया था।

क्या है सेंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025

इस एक्ट के तहत रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर्स को निशाना बनाया गया है। इसमें रूसी तेल-गैस कंपनियों, बड़े बैंकों, डिफेंस इंडस्ट्री और उनसे जुड़े ग्लोबल नेटवर्क पर सख्त पाबंदियों का प्रस्ताव है। इसके साथ-साथ उन तीसरे देशों, कंपनियों या बैंकों पर भी सेकेंडरी सैंक्शन लगाने का प्रावधान है, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद करते पाए जाएं। मतलब साफ है जो देश भी रूस के साथ घुमावदार रास्ते से कारोबार करेगा, वह भी अमेरिकी कार्रवाई की जद में आ सकता है।

चांदी 12 हजार गिरकर 2.36 लाख किलो पर आई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में 8 जनवरी को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का दाम 1,232 रुपए गिरकर 1,35,443 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,36,675 रुपए पर था।

वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 1,22,25 रुपए कम होकर 2,35,775 रुपए पर आ गई है। इससे पहले कल ये 2,48,000 रुपए पर थी, जो इसका ऑल टाइम हाई भी है। सोने-चांदी में प्रॉफिट बुक कर रहे निवेशक केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि चांदी के रेट कल ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे ऐसे में कई निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। इससे आज चांदी के दाम में बढ़ी गिरावट है।

बेंगलुरु-विजयवाड़ा एक्सप्रेसवे पर 24 घंटे में 29 किमी सड़क बनी

10,675 मीट्रिक टन डामर बिछाया गया एनएचएआई ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए

एजेंसी ▶▶ विजयवाड़ा

एनएचएआई ने आंध्र प्रदेश में बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया एक्स पर इसको लेकर पोस्ट किया। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया। यह प्रोजेक्ट भारतमाला फेज-2 के तहत शुरू हुआ था। इसमें ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों तरह की सड़कें बन रही हैं। इससे इस रूट पर सफर करने वालों को भीड़भाड़ वाले शहरों और पुराने हाईवे पर नहीं जाना पड़ेगा।

जनगणना 2027-पहला फेज 1 अप्रैल से सितंबर के बीच होगा, घरों की लिस्टिंग और डेटा जुटाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरूआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे।

एमएचए ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी। सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये एप एंड्रोयड और आईओएस दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी।

महिदपुर में दो पागल कुत्तों ने 56 व्यक्तियों को काटा

अस्पताल में सभी का इलाज, नपा ने आवारा कुत्ते पकड़ने का अभियान चलाया

दैनिक अवन्तिका ▶▶ महिदपुर

बुधवार को दोपहर से शाम 8 बजे तक नगरी के टेन्शन चैराहा, तेहसील कार्यालय के बाहर, पुरानी कोर्ट, कन्या शाला के पास, किर्तन्या बाखल में 2 पागल कुत्तों ने 56 व्यक्तियों को काटा जिनमें बुजुर्ग, महिला व बच्चे शरीक थे। पागल कुत्तों के काटने की खबर से नगर में दहशत फैल गई। कुत्तों से काटे मरीजों को अस्पताल में इलाज किया गया। रात्रि तक शा. चिकित्सालय में 56 पीड़ितों का इलाज हुआ। घटना के बाद न.पा. की टीम स्वास्थ्य निरीक्षक उमेश दावरे के नेतृत्व में सक्रिय हुई और पागल कुत्तों को पकड़ लिया और उन दोनों की मौत हो गई। गुरुवार को भी न.पा. टीम ने कुत्तों को पकड़ने का कार्य किया। न.पा. के मुख्य न.पा. अधिकारी राजा यादव ने बताया कि पागल कुत्तों के मारे जाने व कुत्ता पकड़ने के अभियान से नागरिकों में भय कम हुआ है। आवारा कुत्तें पकड़ने का अभियान सतत जारी है। शा. चिकित्सालय के अधिकारी डॉ. एम.एस.रामपुरे ने बताा कि पीड़ित मरीजों को रैबीज इन्जेक्शन लगाये गये हैं। 56 पीड़ितों के उपचार के बाद जिला प्रशासन के सहयोग से कुत्ते काटने के लगने वाले इंजेक्शन पर्याप्त मात्रा में चिकित्सालय में उपलब्ध हैं।

मध्य प्रदेश के रीवा जिला अदालत में बम होने की खबर फैलने से हड़कंप मच गया

वकीलों और कर्मचारियों में अफरातफरी, पुलिस ने परिसर खाली कराया

दैनिक अवन्तिका ▶▶ रीवा

मध्य प्रदेश के रीवा जिला अदालत में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां भवन परिसर में बम होने की खबर फैल गई। कोर्ट परिसर में बम होने की सूचना फैलते ही अंदर मौजूद लोग घबरा गए। हालात ये रहे कि, परिसर में मौजूद वकीलों, कर्मचारियों, पैशी पर आए आरोपियों के साथ-साथ न्यायाधीश तक भवन के बाहर निकले। फिलहाल, इस घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी गई।

जिला न्यायालय के नए भवन परिसर में बम की खबर फैलते ही वकीलों के साथ न्यायाधीश और परिसर के कर्मचारी तक दौड़कर भवन से बाहर निकल आए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई है। रीवा कोर्ट के आधिकारिक मेल आईडी पर आए धमकी भरे मेल पर तमिलनाडु के प्रकरण में कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही, दोपहर 02.35 बजे के पहले परिसर खाली कराने के लिए कहा गया है। धमकी में कहा गया है कि, अगर निर्धारित समय तक वकील और जज बाहर नहीं निकले तो वो अपने आप फट जाएंगे। धमकी में आत्मघाती बम होने की सूचना दी गई है।

सुनवाई पर लगी रोक

सुबह जैसे ही न्यायालय का कामकाज शुरू हुआ, उसी समय पता चला कि कोई ई-मेल आया, जिसमें कोर्ट परिसर में बम होने की खबर दी गई। सबसे पहले इसकी सूचना कोर्ट के न्यायाधीशों को दी गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर कोर्ट में सुनवाई की प्रक्रिया रोक दी गई और सभी अधिवक्ताओं और पक्षकारों को भी इस संबंध में सूचित किया गया। देखते ही देखते पूरा परिसर खाली हो गया। सभी न्यायाधीश, कर्मचारी, वकील एवं पक्षकार बाहर निकल आए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई, मौके पर पुलिस और बम रोधक अमला पहुंचा।

खाली कराया पूरा परिसर

हालांकि, इस तरह की सूचनाएं सामान्य तौर पर फेक होती हैं लेकिन किसी भी खतरे को लेकर लापरवाही के बजाए सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस ने परिसर से सभी को सुरक्षित बाहर निकालकर मामले की जांच शुरू की है।

अधिकारी, भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे

बता दें कि, रीवा का नया कोर्ट परिसर काफी बड़ा है, इस कारण उसकी पूरी जांच करने में भी समय लगेगा। इस वजह से शहर के कई थानों का पुलिस बल बुलाया गया है। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंच गए हैं। फिलहाल, पुलिस और बम रोधक अमला परिसर की छानबीन में जुटा हुआ है।

बिहार-पटना समेत राज्य की कई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की न्याय व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब राजधानी पटना समेत राज्य के कई जिलों के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा ईमेल के जरिए भेजी गई इस धमकी में कोर्ट परिसरों में आरडीएक्स और आईईडी प्लांट करने का दावा किया गया है। धमकी मिलने के तुरंत बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पटना, दानापुर, गया और किशनगंज कोर्ट परिसरों को खाली करा लिया है। राजधानी पटना के सिविल कोर्ट में जैसे ही बम की सूचना मिली, वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। जिला जज ने तत्काल प्रभाव से एक आदेश जारी करते हुए डीबीए के सभी सदस्यों, वकीलों और वादी-प्रतिवादियों को कोर्ट परिसर खाली करने का निर्देश दिया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि ईमेल के जरिए तीन आरडीएक्स-आईईडी के माध्यम से कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंच गई है और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। इसी तरह दानापुर व्यवहार न्यायालय को भी खाली कराया गया है, जिससे अदालती कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

सिर्फ कागजों में भिक्षुक हटाने का काम...

धार्मिक शहर में भिक्षुक समस्या ऐसी ही है जैसी अन्य प्रमुख समस्या। इसके नियंत्रण को यदा-कदा जिम्मेदारों को याद आ जाती है तो दो झचार दिन इस पर अच्छा खासा माहौल बनाया जाता है उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। आराम से फिर समस्या को बढने दिया जाता है और फिर वहीं हाल बना दिए जाते हैं। समस्या का मूल निवारण कार्य नहीं किया जाता है। पास के शहर से निकाले गए भिक्षुक बडी संख्या में यहां पर भी अपनी तिजारत को अंजाम दे रहे हैं। पूर्व से यहां के जो हैं वो भी जिम्मेदारों के ठंडे पडते ही सक्रिय हो गए हैं। पितृों के कर्मकांड के लिए जाने वाले शोक मग्न भी इनके मारे बडे परेशान हैं। यहां इस कार्य में बडी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे लगाए गए हैं। इनकी प्रतिदिन की आय भी अच्छी खासी है। बहुआ भी अच्छी देते हैं। अगर यहां कोई शोक मग्न या दर्शनार्थी बहुआ के विरूद्ध प्रतिक्रिया देता है तो पास के निवासी इनके परिवारजन तत्काल धमक पडते हैं। मदिरा वाले भगवान के आसपास इनके संबंधितों का अच्छा खासा डेरा रहता है। मदिरा वाले विभाग का अमला भी इनसे खौफ खाता है। कुल जमा धार्मिक नगरी में श्रद्धालुओं को इनसे मुक्ति मिलना आसान नहीं है। खुसूर-फुसूर है कि पास के शहर को इनसे मुक्त करने में भी धर्मनगरी को समर्पण करना पड रहा है। एक जमाने में पास की नगरी के विकास में धर्मनगरी वालों ने बहुत कुछ समर्पण किया और त्यागा। अब इस मसले पर भी हाल वैसे ही हो गए हैं। इनमें से कुछ महिलाएं तो गरीबी रेखा से काफी उपर बताई जाती है। आसपास के लोग एवं दुकानदार ही इनसे नहीं उलझते हैं तो बाहरी श्रद्धालुओं की बिसात ही क्या।

स्वच्छता का वॉवः एप से बुकिंग पर शौचालय की सफाई करने पहुंचेंगे मित्र

उज्जैन। स्वच्छता की बात करें तो यह आपके काम की खबर है। वॉव wow (वॉश ऑन व्हील्स) एप से जिले में स्वच्छता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ रहे हैं। ये एक ऐसा एप्लीकेशन एप है, जिसके जरिए लोग शौचालय की सफाई की ऑनलाइन बुकिंग करवा रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि जिले में अब तक 1046 बुकिंग हो चुकी हैं। इनमें से 697 जगह सफाई का काम भी किया जा चुका है। 349 आवेदन अभी क्यू में है।

एप का सर्वाधिक लाभ जिले की खाचरौद जनपद में लिया जा रहा है। यहां की सभी 130 ग्राम पंचायतों के करीब 200 गांवों के ग्रामीण इसका लाभ ले रहे हैं। जिले के अन्य स्थानों से भी लोग अपने घरों के शौचालय की सफाई के लिए बुकिंग कर रहे हैं। एप पर स्कूल, आंगनवाड़ी, विभागों के शौचालयों के अलावा सार्वजनिक स्थानों के शौचालयों की बुकिंग भी बढ़ रही हैं। शौचालयों की ये सफाई प्रशिक्षण प्राप्त सफाई मित्रों द्वारा तय शुल्क लेकर की जा रही है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश में wow का लाभ लेने में छिंदवाड़ा के बाद उज्जैन जिला दूसरे स्थान पर है। उज्जैन में तेजी से इस एप पर बुकिंग बढ़ रही है। वर्तमान में जिले में 25 स्वच्छता मित्र ये काम कर रहे हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लगभग 10 खाचरौद में है। बड़नगर में एक, महिदपुर में 5, तराना में 4 और उज्जैन शहर तथा घट्टिया में तीन-तीन स्वच्छता मित्र है। ये सभी ट्रेनिंग प्राप्त हैं, जो कि सेफ्टी किट व प्रेशर मशीन सहित जरूरी संसाधन लेकर आते हैं। बुकिंग के आधार पर इनकी संख्या भी बढ़ाई जा रही है। इनके द्वारा घरों के शौचालय की सफाई के लिए 50 से 100 रुपए तक, सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र व पेट्रोल पंप आदि के शौचालयों के लिए 200 से 250 रुपए तक शुल्क लिया जाता है।

9425332161

मकर सक्रांति स्नान के लिए तैयारी शुरू, नदी में कंजी,गंदगी की सफाई किए बगैर ही पानी का लेबल बढा

शिप्रा के घाटों पर गंदगी और नर्मदा का पानी छोड़ा

दैनिक अवन्तिका उज्जैन

मकर सक्रांति स्नान के लिए नगर निगम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए बगैर किसी योजना के ही नर्मदा का पानी शिप्रा में छुडवा लिया गया है। न तो नदी में कंजी , गंदगी की सफाई की गई है और न ही घाटों की ही पर्याप्त रूप से सफाई हुई है। घाटों पर कंजी से फिसलन की स्थिति बनी हुई है। इस पर भी नर्मदा का महंगा पानी शिप्रा में छोड दिया गया है।

सनातन धर्मियों के प्रमुख पर्व मकर सक्रांति पर हजारों श्रद्धालु स्नान के लिए शिप्रा के प्रमुख घाटों पर पहुंचेंगे। अभी पर्व में करीब 7 की अवधि शेष है। इसके पूर्व ही शिप्रा में नर्मदा का पानी छोड दिया गया है। यह पानी करीब 3 किलोमीटर से अधिक घाटों का सफर करता हुआ रामघाट पहुंचेगा,जहां मकर सक्रांति का पर्व स्नान होना है।

घाटों पर और नदी में गंदगी

नर्मदा का पानी शिप्रा में छोडने से पहले न तो प्रमुख घाटों की सफाई की गई है और न ही नदी में से गंदगी ही निकाली गई है। सीधे तौर पर शिप्रा में नर्मदा का बेशकिमती पानी छोड दिया गया है। घाटों की सिढियों पर गंदगी एवं कंजी के कारण फिसलन की स्थिति देखी जा रही है। इसके साथ ही नदी में कचरा,गंदगी एवं पूजन सामग्री के साथ ही कपडे भी देखे जा रहे हैं। ऐसे में नदी का जल स्तर नीचा होने पर पहले सफाई के काम को अंजाम देने के उपरांत नर्मदा का जल छोडा जाता तो उसका अधिक दिन तक उपयोग होता।

प्रति दिन सैंकडों तैराकों का स्थल

शिप्रा के रामघाट से लेकर नर्सिंह घाट एवं ब्रिज तक प्रति दिन सैंकडो तैराक आते हैं। नदी में प्रति दिन प्रशिक्षु बच्चे भी इन तैराकी संगठनों के पास पहुंचते हैं। घाटों पर सफाई न होने और फिसलन की वजह से यहां आने वाले श्रद्धालु भी कई बार हादसों का शिकार हो चुके हैं।

1125 एमएम डाया की लाईन से आया पानी

पीएचई के कार्यपालन यंत्री वैभव भावसार के अनुसार एनवीडीए से सक्रांति के स्नान को लेकर पानी की मांग की गई थी। मंगलवार से पानी आने की शुरूआत हो चुकी है। पानी की आवक बराबर बनी हुई है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि नर्मदा की मोतीनगर त्रिवेणी श्मसान के पास स्थित 1125 एमएम डाया की लाईन से पानी की आवक हो रही है। यह निरंतर 15 जनवरी तक चलेगी। करीब 40-50 एमसीएफटी पानी इस दौरान आएगा। इससे गऊघाट, उसके आगे भूखीमाता घाट,नसिंह घाट,रामघाट क्षेत्र में शिप्रा में पानी का जल स्तर खासा बढ जाएगा।

केडी गेट चौड़ीकरण के दौरान ठेकेदार द्वारा बरती गई लापरवाही बनी मुसीबत

निर्माण सामग्री हटाए बगैर नालियों को ढका.. आये दिन नालियां चौक होने से गंदा पानी सड़कों फैल रहा.. निर्माण के बाद अभी तक नालियों की सफाई भी नहीं हुई

दैनिक अवन्तिका उज्जैन

उज्जैन। केडी गेट से इमली पुरा तक मार्ग चौड़ा कर यहां सड़क व नालियों का निर्माण किया गया था। निर्माण के दौरान ठेकेदार ने लापरवाही बरती और नालियों में पड़ी निर्माण सामग्री हटाए बगैर ही नालियों को ढक दिया। अब ठेकेदार की लापरवाही का हरजाना क्षेत्र वासियों को भुगतना पड़ रहा है। इस कारण नालियां आए दिन चौक हो रही है और नालियों का गंदा पानी व गंदगी सड़क पर फैल रही है क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब से नालियों का निर्माण किया गया है तब से अभी तक नालियों की सफाई नहीं की गई है। इस कारण नालियों में कचरा जमा हुआ है और नालियों का गंदा पानी व गंदगी सड़क पर फैली हुई है।

एक वर्ष पहले केडी गेट से इमलीपुरा तक मार्ग को चौड़ाकर यहां सीमेंट कांक्रीट रोड व नालियों का निर्माण किया गया था। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि जब नालियों का निर्माण किया गया तो ठेकेदार द्वारा निर्माण सामग्री नालियों के अंदर से हटाए बगैर ही नालियों को ढक दिया। इसके कारण नालिया आए दिन चौक हो रही है नालियों का निर्माण होने के बाद अभी तक नालियों की सफाई नहीं की गई है इस कारण आए दिन नालियां चौक हो रही है और नालियों का गंदा पानी व गंदगी सड़कों पर जमा है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि घर के बाहर गंदगी पड़ी हुई है और क्षेत्रीय लोगों का गंदगी की वजह से बुरा हाल है। तथा मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है ऐसे में कई बार नगर निगम के अधिकारियों को नालियों की सफाई करवाने की शिकायत कर चुके हैं। लेकिन उसके बाद भी अभी तक नालियों की सफाई नहीं की गई है। इस कारण नालियां आए दिन चौक हो रही है और नालियों का गंदा पानी व गंदगी सड़क पर जमा है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान नालियों के अंदर पड़ा मलबा व कचरा नहीं हटाया गया । नालियों को बगैर साफ किए ऊपर से इन्हें ढक दिया गया है। नाली निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती गई है। इस बात से निगम के अधिकारियों को भी अवगत कराया गया था। लेकिन उसके बावजूद भी ठेकेदार पर कोई एक्शन नहीं लिया गया और अब लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है आए दिन नालियां चौक होने की वजह से गंदगी सड़कों पर फैल रही है।

निर्माण के दौरान नालियों के अंदर पड़ा मलबा व कचरा तक नहीं हटाया

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान नालियों के अंदर पड़ा मलबा व कचरा नहीं हटाया गया । नालियों को बगैर साफ किए ऊपर से इन्हें ढक दिया गया है। नाली निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती गई है। इस बात से निगम के अधिकारियों को भी अवगत कराया गया था। लेकिन उसके बावजूद भी ठेकेदार पर कोई एक्शन नहीं लिया गया और अब लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है आए दिन नालियां चौक होने की वजह से गंदगी सड़कों पर फैल रही है।

नीमच में पहली बार एशियन वाटर बर्डसेंसस में

प्रवासी पक्षी ग्रेट व्हाइट पेलिकन, कॉमन टील, रूडीशेल डक भी मिले

दैनिक अवन्तिका उज्जैन

जल स्त्रोतों और जल पक्षियों के संरक्षण को मजबूत बनाने मध्य प्रदेश में पहली बार एशियन वाटर बर्ड गणना (एडब्ल्यूसी) के तहत नीमच में तीन और चार जनवरी 2026 को वन विभाग और नीमच बर्ड्स ग्रुप ने जलीय पक्षी सर्वेक्षण व गणना कार्य संपन्न किया। पहली बार में ही यहां प्रवासी पक्षी ग्रेट व्हाइट पेलिकन, कॉमन टील, रूडीशेल डक भी मिले हैं।

डीएफओ एस के अटोदे के अनुसार हमने इस सर्वेक्षण में 120 स्पीसिएस का आईडेंटिफिकेशन किया है। इसमें प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। सिटीजन साइंस को बढ़ावा देने नीमच बर्ड्स ग्रुप के पक्षी विज्ञानी एवं पक्षी प्रेमियों के साथ यह कार्य पूर्ण हुआ है। सर्वेक्षण में विशेष रूप से प्रवासी पक्षी की दुर्लभ प्रजाति ग्रेट व्हाइट पेलिकन जो अपनी बड़ी चोंच और विशाल नीचे लटकती थैली के लिए जाना जाता है के साथ, कॉमन टील, रूडिशल डक की उपस्थिति दर्ज की गई। साथ ही रेयर पक्षी ओरिएंटल डार्टर,कोरमोरेंट इग्रेट, पॉन्ड हैरान, पर्पल और ग्रे हेरॉन, लेसर विसलिंग डक, यूरेशियन कूट, नॉब बिल्ड डक, स्टिल्ट, रिवर टर्न, इंडियन स्पॉट बिल्ड डक, ग्रीब, आईबीस, स्वंप हेन, स्टोरक की प्रजातियां देखी गई । साथ ही आसपास के क्षेत्र में विशेषतः प्रवासी पक्षी हमस वारब्लर, रेड ब्रेस्टेड फ्लाइकेचर, साइबेरिया स्टोनचैट, थिक नी, सारस क्रेन, एशियाई बॉर्न आउल, स्पॉटेड आउल, टाउनी पीपीट, वैगटेल देखे गए। वन विभाग के कर्मचारियों के साथ शहर के नीमच बर्ड्स ग्रुप के पक्षी विशेषज्ञ डॉ.साधना सेवक, इंद्रजीत सिंह, निकिता यादव, अनमोल यादव, अक्षय यति,अजय धाकड़ अंजली शर्मा ने नेतृत्व किया और साथ में पहली बार भागीदारी कर रहे जाजू कॉलेज, पीजी कॉलेज के वॉलिंटियर्स ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम सर्वेक्षण 3 जनवरी को शहर के प्रमुख वेटलैंड्स हमीरिया तालाब, शिवाजी सागर डेम, ठीकरिया तालाब, जीरन, हरवार तालाब, हरकीया खाल डेम, चैनपुरा डेम, घसुंडी में किया गया। दिनांक 4 को यह सर्वेक्षण जिले के आंतरिक दूरस्थ वेटलैंड्स किरता तालाब, लासूर बांध, श्रीपुरा, कनपुरिया तालाब, जावी तालाब, अमरतीया तालाब, लासूर, में किया जा रहा है। यहां पक्षी प्रेमी प्रिंस शर्मा ने अमरतिया तालाब में 35 प्रजाति, साक्षी शर्मा, निकिता यादव ने लासूर बांध पर 43 प्रजातियां सर्वेक्षण में पाई। नीमच बर्ड्स की डॉ.साधना सेवक ने वन विभाग के अधिकारीगण, रेंजर्स व अन्य सहयोगियों के पूर्ण सहयोग से नीमच बर्ड्स के पक्षी प्रेमी हरीश भाटी, साक्षी, कुसुम , भाग्यश्री पंवार, निर्मला प्रजापति, भूपेंद्र, जयराज, कुमकुम, मधुबाला, सभी ने उत्साह और रुचि से कम समय में पक्षी पहचानना और ई बर्ड ऐप में डेटा संधारित करने का प्रशिक्षण लेकर नीमच के जलीय पक्षी गणना के कार्य को सफल बनाया। वन विभाग के एसडीओ फॉरेस्ट नोडल ऑफिसर दशरथ अखंड ने इसका नेतृत्व किया।

ट्रेनों का प्रथम आरक्षण चार्ट 11 जनवरी से 10 घंटे पहले होगा तैयार

दैनिक अवन्तिका उज्जैन

उज्जैन। ट्रेनों का प्रथम आरक्षण चार्ट 11 जनवरी से 10 घंटे पहले तैयार होगा। यात्रियों की सुविधा एवं आरक्षित टिकट संबंधी जानकारी समय से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार पश्चिम रेलवे रतलाम मण्डल पर ट्रेनों के प्रथम आरक्षण चार्ट तैयार करने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। यह नई व्यवस्था 11 जनवरी 2026 से लागू की जा रही है।

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार नए निदेर्शों के अनुसार, ट्रेनों के प्रस्थान समय के आधार पर प्रथम आरक्षण चार्ट निम्नानुसार तैयार किया जाएगा– सुबह 05:01 बजे से शाम 18:00 बजे तक प्रस्थान करने वाली ट्रेनों का प्रथम आरक्षण चार्ट एक दिन पहले रात्रि 20:00 बजे तक तैयार किया जायेगा। शाम 18:01 बजे से अगले दिन सुबह 05:00 बजे तक प्रस्थान करने वाली ट्रेनों का प्रथम आरक्षण चार्ट निर्धारित प्रस्थान समय से कम से कम 10 घंटे पहले तैयार किया जायेगा। द्वितीय आरक्षण चार्ट की प्रक्रिया में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और यह पूर्ववत नियमों के अनुसार ही तैयार होगा। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को आरक्षण स्थिति की जानकारी पहले ही मिल सकेगी, जिससे यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सुविधा होगी।

25 जनवरी को होगा राहगीरी आनंदोत्सव, होंगे कई आकर्षण

उज्जैन। उज्जैन में 11 जनवरी को होने वाले राहगीरी आनंदोत्सव अब 25 जनवरी रविवार को होगा। राहगीरी में सीएम डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। सर्दियों के मौसम में हर साल होने वाली राहगीरी आनंदोत्सव की शुरूआत 25 जनवरी की सुबह कोठी रोड पर होगी। मुंगी चौराहे से कोठी पैलेस तक होने वाले आयोजन में विभिन्न कलाकार तो अपनी प्रस्तुति देंगे ही इस बार मुख्य आकर्षण लोक कलाकार भी होंगे।

आयोजन को लेकर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने सभी संबंधित विभागों की बैठक लेकर तैयारी की जानकारी ली और निर्देश दिए। 25 जनवरी को रविवार सुबह 7 बजे शुरू होने वाली राहगीरी में बड़ी संख्या बच्चे बुजुर्ग महिला सभी भाग लेंगे। अलग-अलग कलाकार गाना गाते, डांस,चित्रकारी, मलखंब की प्रस्तुति देने आएंगे। राहगीरी आनंदोत्सव की शुरूआत 2014 से हुई थी जिसमें लोगों को स्वस्थ रहने के लिए सुबह जल्दी उठने व्यायाम करने पैदल चलने की प्रेरणा देने के लिए शुरू किया गया था।

18 जनवरी को माघ माह की अमावस्या के दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य से श्रद्धालुओं को मिलेगी सुख-समृद्धि

मौनी अमावस्या पर पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए करेंगे उपाय

दैनिक अवन्तिका उज्जैन

सनातन धर्म में अमावस्या को अत्यंत पवित्र दिन माना जाता है। हर महीने एक अमावस्या आती है, लेकिन माघ मास की अमावस्या विशेष रूप से शुभ और लाभकारी मानी जाती है। इस महीने में पड़ने वाली अमावस्या को मौनी अमावस्या या माघी अमावस्या कहा जाता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा का जल अमृत के समान पुण्यदायक होता है। इस दिन गंगा में स्नान करने से व्यक्ति को अक्षय फल की प्राप्ति होती है और जीवन में मानसिक शांति व आध्यात्मिक लाभ मिलता है।

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। माघ मेले के दौरान यहां विशेष स्नान और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। इस दिन केवल स्नान और दान-पुण्य ही नहीं, बल्कि पितरों की आत्मा की शांति और पितृ दोष से मुक्ति के लिए भी कुछ खास उपाय किए जाते हैं। ये उपाय अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन में सुख-समृद्धि, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर सकता है।

पंचांग अनुसार मुर्हूत

वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ माह की अमावस्या 18 जनवरी 2026 को शुरू होगी। इस तिथि की शुरूआत सुबह 12 बजकर 3 मिनट पर होगी और यह 19 जनवरी 2026 को सुबह 1 बजकर 21 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में इस साल मौनी अमावस्या 18 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी।

इस दिन श्रद्धालु खासकर त्रिवेणी संगम और गंगा नदी में स्नान करते हैं, उसके बाद दान-पुण्य और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। यह दिन पवित्र और लाभकारी माना जाता है, क्योंकि इसे करने से पितृ दोष से मुक्ति, मानसिक शांति और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होते हैं।

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

नं.1 क्षेत्रीय अख़बार

इंदौर | उज्जैन | शुक्रवार 09 जनवरी, 2026 | www.awantika.com

बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे आचार्य पुंडरीक गोस्वामी

इंदौर में श्रीमद् भागवत कथा करने आए, दर्शन करने के बाद बोले- मेरा जन्म लेना सार्थक हो गया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

इंदौर में श्रीमद् भागवत कथा करने आए आचार्य पुंडरीक गोस्वामी आज बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए। जहां उन्होंने चांदी द्वार से परिवार सहित बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया और ध्यान भी लगाया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के रितिक नागर ने बताया कि श्रीमद्भागवतम, चैतन्य चरितामृत, राम कथा और भगवद गीता पर अपने आध्यात्मिक प्रवचनों के लिए प्रसिद्ध पुंडरीक गोस्वामी पत्नी रेणुका पुंडरीक गोस्वामी के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए मंदिर आए थे।

बताया जाता है कि आचार्य पुण्डरीक महाराज ने बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद मंगलनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान का भात पूजन कर विशेष पूजा अर्चना कि इस दौरान आपने भगवान मंगलनाथ से उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ उन्नति प्रगति का आशीर्वाद भी लिया।

हमारा जन्म लेना सफल हो गयाः पुंडरीक गोस्वामी

यहां पर पुंडरीक गोस्वामी ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल का पूजन अर्चन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। बाबा महाकाल के पूजन अर्चन के बाद आपने नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही। इस दौरान आपने बाबा महाकाल के दर्शन कर मीडिया से कहा कि बाबा महाकाल के दर्शन कर आज मेरा जन्म लेना सार्थक हो गया। बाबा महाकाल के दर्शन कर हम अभिभूत हैं। ऐसा लग रहा है मानो हमारा जन्म लेना सफल हो गया।

उज्जैन में पहली बार विंध्य हर्बल वन मेला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल की नगरी उज्जैन में पहली बार विंध्य हर्बल वन मेला आयोजित होने जा रहा है। शिवरात्रि 15 फरवरी से शुरू होकर यह मेला 20 फरवरी तक उज्जैन के दशहरा मैदान में लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में 11वें अंतरराष्ट्रीय वन मेले के शुभारंभ के दौरान उज्जैन में वन मेला आयोजित करने की घोषणा की थी। इसके बाद अब उज्जैन में यह आयोजन किया जा रहा है। वन मेले में पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण, आयुर्वेद और पारंपरिक ज्ञान का संगम देखने को मिलेगा। बच्चों और युवाओं के लिए मेले का सबसे बड़ा आकर्षण चीता परिवार का विशाल स्कल्पचर रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

सौ करोड़ रुपये की शासकीय भूमि करायी गई अतिक्रमण मुक्त

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निदेर्शानुसार शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए इंदौर जिले में अभियान चलाकर जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आज जिला प्रशासन के अमले ने दो स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सौ करोड़ रुपये से अधिक कीमत की बेशकीमती शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त करायी। ग्राम खजराना स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 296 रकबा 0.769 हेक्टेयर भूमि जो की शासकीय भूमि है, के पैकी भाग क्षेत्रफल लगभग 35 हजार वर्गफीट के पैकी भाग पर इमरान पटेल द्वारा रूम निर्मित कर भैंस का तबेला बनाया गया था एवं शाकीर शाह द्वारा गैरेज का निर्माण किया गया था, को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उक्त भूमि का बाजार मूल्य लगभग 52 करोड़ 50 लाख रुपये है।

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए पार्किंग स्थलों का निर्धारण

इंदौर। इन्दौर के होल्कर स्टेडियम में 18 जनवरी को भारत एवं न्यूजीलैण्ड के मध्य एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच होगा। इस मैच में आने वाले दर्शकों की सुविधा के लिए पार्किंग स्थलों का निर्धारण किया गया है। दर्शक अपने वाहनों की पार्किंग एसजीएसआईटीएस परिसर के मैदान तथा बाल विनय मंदिर परिसर में कर सकेंगे। उक्त स्थानों पर एमपीसीए द्वारा पार्किंग हेतु समतलीकरण, साफ-सफाई व्यवस्था, बेरिकेटिंग, पार्किंग स्थल पर बैनर, पार्किंग स्थल पर पहुंचने हेतु दिशा सूचक फ्लेक्स, रोशनी, बैनर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेंगी।

इन्वेस्टिगेशन होगा आसान, मिली हाईटेक फॉरेंसिक वेन

पुलिस के पास घटना के साक्ष्य रहेंगे सुरक्षित, सीधे पहुंचेगी घटनास्थल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

गंभीर अपराधों में साक्ष्य सुरक्षित रखने के साथ इन्वेस्टिगेशन में अब उज्जैन पुलिस को काफी आसानी होगी। पुलिस मुख्यालय की ओर से हाईटेक मोबाइल फॉरेंसिक वेन मिल चुकी है। जो जिले में सीधे घटनास्थल तक पहुंचेगी।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के साथ अपराधों पर अंकुश रखने और बदमाशों को सलाखों तक पहुंचाने के प्रयास लगातार जारी है। तकनीकी साक्ष्य और आधुनिक संसाधनों से पुलिस की कार्यप्रणाली बेहतर हो रही है। उज्जैन पुलिस के साथ अब हाइटेक मोबाइल फॉरेंसिक वेन जुड़ चुकी है। जिसकी मदद से अब गंभीर अपराधों में फिंगरप्रिंट, डीएनए के साथ अन्य सबूत को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। अब तक अपराधों में एकत्रित साक्ष्य को जांच के लिए इंदौर, भोपाल और अन्य स्थानों पर भेजा जाता था। जिसके चलते जांच प्रक्रिया में समय लगता था, लेकिन अब फॉरेंसिक वेन मिलने पर पुलिस की जांच प्रक्रिया में देरी नहीं होगी। उज्जैन पुलिस को मिली फॉरेंसिक वेन काफी हाईटेक है। कई आधुनिक उपकरण लगे हुए हैं। अब गंभीर मामलों की जांच में ज्यादा समय नहीं लगा करेगा वही प्रकरण की चार्जशीट भी न्यायालय में जल्द प्रस्तुत कर अपराधियों को सजा दिलाने में पुलिस को सफलता मिलेगी। जिले में कहीं भी गंभीर अपराध होने पर वेन के साथ फॉरेंसिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचेंगे।

चलती फिरती प्रयोगशाला है वेन

पुलिस की हाईटेक फॉरेंसिक वेन एक चलती फिरती प्रयोगशाला है। जो अपराध स्थल पर ही खून, डीएनए, फिंगरप्रिंट, विस्फोटक और नशीले पदार्थ जैसे सबूत को एकत्रित कर सुरक्षित करने के साथ प्रारंभिक जांच में सक्षम है। वेन में माइक्रोस्कोप, मिनी फ्रिज, डीएनए किट और बॉडी वन कैमरा लगा हुआ है। उज्जैन की पुलिसिंग पिछले कुछ सालों में काफी मजबूत हुई है। अब तक बड़े शहरों में ही हाईटेक फॉरेंसिक वेन पुलिस द्वारा संचालित की जा रही थी। उज्जैन पुलिस को भी पिछले कुछ सालों में आधुनिक उपकरण प्राप्त हो चुके हैं।

सिंहस्थ मेला अधिकारी और कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ मेला अधिकारी सह संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को निरीक्षण कर सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत श्री अंगारेश्वर, श्री सिद्धवट और गढकालिका माता मंदिरों के पुनरुद्धार और श्रद्धालुओं के लिए सुविधा विस्तारीकरण के कार्य की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह

ने श्री सिद्धवट मंदिर पर पानी निकासी की व्यवस्था को प्रमुख रुप से मंदिर पुर्नरुद्धार की कार्ययोजना में शामिल करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान मंदिर में फ्लोर पर फिसलन ना हो के अनुरुप पत्थर लगाने के निर्देश दिए। मंदिरों में विभिन्न प्रकार की पूजाओं और यज्ञ आदि के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग और होल्डिंग एरिया के स्थान का चिन्हांकन किया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मंदिरों के पुजारी, मंदिर प्रशासन से चर्चा कर कार्ययोजना बनाई जा रही है।

समय पर नहीं पहुँचने वाले शासकीय सेवकों के विरूद्ध होगी कार्रवाई

इंदौर। मुख्यमंत्री की मंशानुसार शासकीय कार्यालयों में शासकीय सेवकों को निर्धारित समय पर पहुँचना अनिवार्य होगा। समय पर कार्यालय नहीं पहुँचने वाले शासकीय सेवकों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सभी शासकीय सेवकों को निर्देशित किया है कि वे सुबह 10 बजे अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहे तथा निर्धारित समय शाम 6 बजे पर ही कार्यालय से जाए।

कबीर पंथ महासंघ ने की उपमुख्यमंत्री से मुलाकात

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अंतरराष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ ने उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात कर संगठन को लेकर चर्चा की। इस दौरान महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चूड़ामणि के साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत राधाकिशन देवास, प्रदेश उपाध्यक्ष महंत परम मनोहर सोनकच्छ, मायादेवी उज्जैन, सुमन आंजना उज्जैन, गिरधारी लाल मालवीय आगर मालवा, चंदरसिंह सौराष्ठी शाजापुर आदि मौजूद रहे।

आरएसएस के सांगठनिक ढांचे में हो सकता है बदलाव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 साल हो गए हैं। अब संघ अपने सांगठनिक ढांचे में बदलाव पर विचार कर रहा है। संघ में इस तरह के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। जानकारी के अनुसार, प्रांत शन-प्रचारकों की जगह अब राज्य प्रचारक बनाने का प्रस्ताव है।

ये राज्य की इकाई के हिसाब से ही होंगे। जैसे अभी संघ के हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड जैसे राज्यों में तो एक ही प्रांत प्रचारक है जो एक तरह से पूरे राज्य के ही प्रचारक है। लेकिन जो बड़े राज्य हैं उनमें एक राज्य में ही कई प्रांत प्रचारक हैं।

जैसे राजस्थान में 3 प्रांत प्रचारक, यूपी में 6 प्रांत प्रचारक हैं। बदलाव के बाद सभी राज्यों में राज्य प्रचारक होंगे और पूरे यूपी में भी एक राज्य प्रचारक। अभी बड़े राज्यों में कामकाज के हिसाब से ज्यादा प्रांत प्रचारक बनाए गए हैं। जब राज्य प्रचारक हो जाएंगे तो साथ ही संभाग प्रचारक का पद भी बनाया जाएगा, ये एक संभाग यानी कमिश्नरी के प्रचारक होंगे। ये विभाग प्रचारक और राज्य प्रचारक के बीच की इकाई होंगे। मध्यप्रदेश में भी संघ की व्यवस्था में परिवर्तन होने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत अब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ अलग-अलग होंगे और प्रांत प्रचारक का पद समाप्त किया जाएगा और इसके स्थान पर संभागीय प्रचारक की नई प्रणाली लागू की जा सकती है।

इस बदलाव को संघ की दीर्घकालिक सामाजिक और संगठनात्मक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसका मकसद संघ कार्य और प्रभावी बनाना है। सूत्रों के मुताबिक मार्च 2026 में होने वाली संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बदलाव के प्रस्ताव पर बात होगी और प्रतिनिधि सभा में ही फाइनल फैसला लिया जाएगा।

भोपाल-इंदौर धुंध व प्रदूषण से जूझ रहे- एनजीटी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश के 8 शहरों में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट माना है। एनजीटी की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर एक माह में जवाब मांगा है।

एनजीटी ने पूछा है कि जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदेश के इन 8 शहरों को नॉन-अटेनमेंट सिटी घोषित कर रखा है, तो दिल्ली-एनसीआर में लागू ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) जैसा प्रभावी कदम अब तक क्यों नहीं उठाया गया। एनजीटी ने पर्यावरण विभाग के पदेन प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय कमेटी गठित की है। कमेटी 6 सप्ताह में 8 शहरों की रिपोर्ट बनाएगी। यह बताएगी कि सरकार ने अब तक क्या कदम उठाए हैं। रिपोर्ट के बाद एनजीटी 18 मार्च को सुनवाई करेगा।

इन शहरों में बीते 5 साल से प्रदूषण गंभीर श्रेणी में

नॉन-अटेनमेंट सिटी क्या होती हैं? - वे शहर, जहां पिछले 5 साल से पीएम-10 और पीएम-2.5 का स्तर लगातार तय मानकों से ज्यादा है।

मध्यप्रदेश में ऐसे कितने शहर हैं?- 2016 में 6 थे, अब 8 हैं- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, देवास, सागर और सिंगरौली। इनमें पीएम-10 का औसत 130-190 व पीएम-2.5 का 80-100 माइक्रोग्राम/घनमीटर है।

नॉन-अटेनमेंट सिटी के लिए क्या करना जरूरी होता है? - विशेष कार्ययोजना बनानी होती है। बताना होता है कि प्रदूषण किस वजह से बढ़ रहा है, कैसे कम करेंगे। केंद्र फंड भी देता है।

भोपाल के लिए यह क्यों जरूरी? - सर्दियों में भोपाल की हवा खराब रहती है। एक्यूआई दिन में 287 व रात में 300 से ज्यादा पहुंच जाता है।

प्रदूषण के मुख्य कारण क्या हैं?

पराली जलाना, निर्माण से उड़ती धूल, वाहनों का धुआं, कचरा जलाना, पटाखे और औद्योगिक गतिविधियां। साल 2025 में भोपाल के आसपास के जिलों में 31 हजार से ज्यादा घटनाएं दर्ज हुईं। एनजीटी ने याचिकाकर्ता राशिद नूर खान के अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी को निर्देश दिए हैं कि वे याचिका में उठाए गए तथ्यों को रिकॉर्ड के साथ एक्सपर्ट कमेटी से साझा करें।

जेसीबी मालिक को व्हाट्सएप पर आया था लिंक; आईटी इंजीनियर से भी 6.58 लाख ठगे

इंदौर में 20% फायदे का लालच देकर 8 लाख रुपए की ठगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित से नवंबर 2025 में संपर्क कर आरोपियों ने कई ट्रांजेक्शन के जरिए 8 लाख 24 हजार रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित ने पहले साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की थी, जिसके बाद मामला एरोड्रम पुलिस को सौंपा गया।

एरोड्रम पुलिस के अनुसार, अंबिकापुरी निवासी प्रवीण सोनी की शिकायत पर अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। प्रवीण जेसीबी संचालन का काम करते हैं। उन्होंने फेसबुक पर काम से जुड़ा अपना कार्ड डाला था। नवंबर में

उनके पास एक व्हाट्सएप नंबर से लिंक आया, जो कंगन शॉप के नाम से था। इसमें 20% मुनाफे का दावा किया गया था।

जब प्रवीण ने उस नंबर पर कॉल किया, तो एक महिला ने उन्हें ऑनलाइन काम का प्लान समझाया और बताया कि भुगतान करने पर ऑनलाइन सामान मिलेगा, जिस पर 20% लाभ होगा। इसके बाद प्रवीण ने वैभवी स्टोर के नाम से कंगन शॉप पर ऑनलाइन शॉप खोली।

ऑन लाइन जमा कराए करीब 8 लाख रुपए

5 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच प्रवीण से फोन-पे और गूगल-पे के जरिए कुल 8 लाख 24 हजार रुपए जमा करवाए गए। शुरुआत में खाते में मुनाफा दिखाया गया, लेकिन जब रकम निकालने की कोशिश की गई तो मना कर दिया गया। बाद में खाता ब्लॉक हो गया, जिससे उन्हें ठगी का शक हुआ। इसके बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की। 5 जनवरी के आसपास जिस महिला ने संपर्क किया था, उसने अपना मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया। बुधवार को एरोड्रम थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

परिचित बनकर महिला से 97 हजार की ठगी

इधर, लसूडिया थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला से परिचित बनकर कॉल कर 97 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। लसूडिया पुलिस ने मोबाइल नंबर के अज्ञात धारक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बुधवार को रेखा तिवारी निवासी हैप्पी होम्स, ओमैक्स सिटी-1 थाने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि 6 जनवरी की रात उनके पास एक नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को उनका परिचित ह्लभाई मन्नूह्व बताया और कहा कि उसकी दोस्त अस्पताल में भर्ती है और हार्ट का ऑपरेशन चल रहा है। आरोपी ने कहा कि उसके खाते में पैसे ट्रांसफर नहीं हो पा रहे हैं और जल्दबाजी में रेखा से कहा कि वे डॉक्टर हेमा के खाते में पैसे डाल दें। इसके बाद आरोपी ने क्यूआर कोड भेजा, जिस पर रेखा ने 97 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए।

आईटी इंजीनियर से 6.58 लाख की ऑनलाइन ठगी

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में भी एक आईटी इंजीनियर के साथ ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज किया गया है। सजल अग्रवाल पेशे से आईटी इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर को उनके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया, जिसमें गूगल पर रिव्यू देने के बदले पैसे कमाने का ऑफर दिया गया था। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम पर एक लिंक भेजा गया। इस बिजनेस में मुनाफा दिखाकर अलग-अलग समय पर सजल से करीब 6 लाख 58 हजार रुपए यूपीआई और अन्य माध्यमों से जमा करवा लिए गए।

9 और 10 जनवरी को विशेष शिविर होंगे आयोजित

इंदौर। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के अन्तर्गत एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि पर पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने के लिये विशेष शिविर आयोजित होंगे। यह विशेष शिविर जिला स्तर पर 09 एवं 10 जनवरी को हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओं आदि में आयोजित किये जाएंगे। इस संबंध में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं के प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्हें निर्देशित किए गए है कि उन्हें ?निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविर आयोजित कर सभी पात्र विद्यार्थियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाये।

ईश्वर क्या-क्या सुनें

भक्ति कोई क्रिया-कलाप नहीं है। यह किसी एक या दूसरी चीज की ओर नहीं होती; भक्ति किसके प्रति है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। बस, इतना ही है कि भक्ति में आप अपने भीतर के सारे विरोध विसर्जित कर देते हैं, जिससे चैतन्य सांसों की तरह बह सके। ईश्वर ऊपर बैठी कोई इकाई नहीं है। यह आपके जीवन में हर पल मौजूद एक जीवंत शक्ति है। एक कैथोलिक परिवार के घर रात के खाने के वक्त परिवार का मुखिया टेबल पर आया, खाने की तरफ देखा, हमेशा की तरह भुनभुनाया और अपनी पत्नी व आस-पास की हर चीज को कोसा। जब कोसना पूरा हुआ और सब अपनी-अपनी जगह बैठ गए, तब वह भी बैठा और प्रार्थना करते हुए बोला, हे ईश्वर, आज का भोजन और टेबल पर मौजूद सारी अच्छी चीजें देने के लिए धन्यवाद। वहां पांच साल की एक बच्ची भी बैठी थी। आपने देखा होगा, नन्हे बच्चों के लिए हमेशा एक तकिया या कुशन कुर्सी पर रखा जाता है, ताकि वे टेबल तक पहुंच सकें, फिर भी प्लेट तक पहुंचना उनके लिए मुश्किल होता है। उस पांच साल की बच्ची ने टेबल से अपना चेहरा ऊपर लाकर कहा, डैडी, क्या ईश्वर हमेशा हमारी प्रार्थनाएं सुनते हैं? पिता ने कहा, हां, क्यों नहीं? हम जितनी भी प्रार्थना करते हैं, वह हमेशा उन्हें सुनता है।

तब वह लड़की नीचे हो गई, क्योंकि वह विचारों में डूब गई थी। कुछ देर बाद वह ऊपर उचकी और पूछा, डैडी, क्या वह दूसरी बातें भी सुनता है, जो हम कहते हैं? पिता ने दोहराया, हां, ईश्वर हमारे जीवन के हर पल में होने वाली उन सभी बातों को देखता और सुनता है, जो हम कहते हैं या करते हैं। बच्ची फिर नीचे हो गई और उसने फिर उचककर पूछा, डैडी, तब वह किन बातों पर विश्वास करता है?

मुझे बताइए, ईश्वर को किस पर विश्वास करना चाहिए- आपकी प्रार्थना पर या आपकी गालियों पर? वह भ्रमित है। उसने हार मान ली है, क्योंकि हमने जीवन के सबसे प्यारे और नाजुक हिस्से को भी प्रणालीबद्ध या संस्थागत बना दिया है। सबके मुंह में शब्द होते हैं, पर उन शब्दों के कोई मायने नहीं रह जाते। जब हम कोई चीज कहते हैं, जो हमारे भीतर वाकई आग की तरह नहीं जलती, तो वह झूठ बोलने जैसा है; तब चुप रहना बेहतर होता है। हम हमेशा वह चीज करने की कोशिश करते हैं, जो किसी ने हजार साल पहले की थी। हां, किसी ने दो हजार साल पहले कुछ किया, तो वह उसके लिए कारगर हुआ, क्योंकि उसके हृदय में उसके लिए आग थी; क्योंकि उसके भीतर सच्चाई धधक रही थी, न कि उसके शब्दों की वजह से। भक्ति भी तपाने वाली होती है, क्योंकि सत्य ऐसी चीज है, जिसमें आग है।

सम्पादकीय

पड़ोस की चिंता

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हत्या के सिलसिले का न रुकना बहुत दुखद और चिंताजनक है। बीते 36 दिनों में 11 से ज्यादा अल्पसंख्यकों को बर्बर ढंग से मारा गया है। मारे गए लोगों में वे हिंदू बुजुर्ग दंपति भी शामिल हैं, जो बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में शामिल थे। बीते महीने 2 दिसंबर से हत्याओं का जो सिलसिला चला, वह 18 दिसंबर को दीपू दास की बर्बर हत्या के बाद पूरी दुनिया में सुर्खियां बन गया। बांग्लादेश को हर प्रकार से नसीहतें मिलीं। संयुक्त राष्ट्र ने भी नेक सलाह दी, पर वहां सांप्रदायिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। यह पूरे दक्षिण एशिया के लिए गहरी चिंता का विषय है। ध्यान रहे, वहां हिंदुओं की मौत के मामले तो चर्चा में आ रहे हैं, पर उन्हें वहां जिस तरह से परेशान किया जा रहा है, उसका कोई हिसाब नहीं है। यह कहने में भी दुख होता है कि महिलाओं से बलात्कार से लेकर धर्म परिवर्तन के दबाव तक, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की परेशानियों की कोई सीमा नहीं है।

इसमें एक बड़ी चिंता की बात यह है कि भारत की थोड़ी-सी नाराजगी भी बांग्लादेश में उल्टा असर कर रही है। चूंकि यह तनाव क्रिकेट तक पहुंच गया है, तो बुधवार को बांग्लादेश प्रीमियर लीग की एक भारतीय प्रेजेंटर को आखिरी वक्त में अनुबंध से अलग कर दिया गया। भारत में ट्वंटी-20 क्रिकेट विश्व कप के आयोजन को लेकर भी बांग्लादेश ने नाराजगी को छिपाया नहीं है। बांग्लादेश नहीं चाहता कि उसकी क्रिकेट टीम भारत में खेले। वहां आईपीएल के प्रसारण पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। वैसे, बांग्लादेश को इस बात की परवाह जरूर होनी चाहिए कि ऐसे बर्ताव से उसे ही नुकसान होगा। वहां तत्काल प्रभाव से सामाजिक स्थितियों को संभालना चाहिए। बीएनपी के नए नेता तारिक रहमान के बयानों से उम्मीद तो जगती है, क्योंकि वह बांग्लादेश की आजादी के उस दौर को याद कर रहे हैं, जिसे भुलाने-मिटाने की कोशिश में बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार ने अपना पूरा जोर लगा रखा है। वहां फरवरी में चुनाव होने हैं, उस देश को पूरा ध्यान चुनाव और अच्छी सरकार चुनने पर लगाना चाहिए, मगर कभी भारत के प्रति विद्वेष, तो कभी हिंदुओं को निशाना बनाने की परिपाटी इस पड़ोसी देश को पीछे ले जा रही है। ढाका के रहनुमाओं को भूलना नहीं चाहिए कि उनके यहां जब अल्पसंख्यकों का शोषण होता है, तब उसका सीधा असर भारत पर पड़ता है।

सड़क दुर्घटना मुआवजा और संविधान

आय से परे मानवीय गरिमा की तलाश

सड़क दुर्घटना मुआवजे की तकनीकी व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान के मूल दर्शन–समता, गरिमा और कल्याणकारी राज्य–से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत में हर वर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और इनमें हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं या स्थायी रूप से अपंग हो जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में मुआवजा केवल आर्थिक राहत नहीं होता, बल्कि यह राज्य द्वारा पीड़ित के जीवन-मूल्य को स्वीकार करने और उसकी गरिमा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास भी होता है।

प्रियंका सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वर्तमान मुआवजा प्रणाली मुख्यतः आय-आधारित है, जो पहली दृष्टि में तर्कसंगत लग सकती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह संवैधानिक मूल्यों के साथ कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

मोटर वाहन अधिनियम में अपनाई गई मल्टीप्लायर पद्धति पीड़ित की आय, आयु और आश्रितों की संख्या के आधार पर मुआवजा निर्धारित करती है। इसका उद्देश्य यह माना गया कि दुर्घटना से पूर्व जिस आर्थिक स्थिति में परिवार था, उसे यथासंभव पुनर्स्थापित किया जा सके। किंतु इस पद्धति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह मनुष्य के जीवन को उसकी बाजार-योग्यता से जोड़ देती है। एक उच्च वेतन पाने वाले व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता पर लाखों या करोड़ों रुपये का मुआवजा तय होता है, जबकि एक दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक या असंगठित क्षेत्र के श्रमिक के लिए यह राशि बहुत कम होती है। इस प्रकार कानून अनजाने में यह संदेश देता है कि किसी व्यक्ति का जीवन उसकी आय के अनुपात में अधिक या कम मूल्यवान है।

यह दृष्टिकोण सीधे-सीधे संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत को चुनौती देता है। अनुच्छेद 14 केवल समान व्यवहार की बात नहीं करता, बल्कि यह मनमाने और असंगत वर्गीकरण पर रोक भी लगाता है। जब दो नागरिक समान परिस्थितियों में सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं, लेकिन केवल आय के आधार पर उनके जीवन का मूल्य अलग-अलग तय किया जाता है, तो यह एक प्रकार का संवैधानिक विरोधाभास उत्पन्न करता है। राज्य एक ओर सभी नागरिकों को समान मानता है, दूसरी ओर मुआवजे के स्तर पर उनके बीच आर्थिक हैसियत के आधार पर भेद करता है।

इस व्यवस्था का सबसे गंभीर प्रभाव उन वर्गों पर पड़ता है जिनकी आय औपचारिक रूप से दर्ज नहीं होती या जिन्हें अर्जक ही नहीं माना जाता। गृहिणियाँ, बच्चे, वृद्ध और छात्र अक्सर काल्पनिक आय के आधार पर मुआवजा प्राप्त करते हैं। यह काल्पनिक आय वास्तविक सामाजिक योगदान को प्रतिबिंबित नहीं करती। एक गृहिणी का श्रम घर के भीतर अदृश्य रहता है, लेकिन वह परिवार और समाज की आर्थिक संरचना को संभालने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने किर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस (2021) जैसे मामलों में यह स्पष्ट किया है कि गृहिणी का कार्य केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक मूल्य भी रखता है। इसके बावजूद, व्यवहार में मुआवजे की गणना में यह योगदान अभी भी पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं होता।

आय-आधारित मुआवजा प्रणाली का एक और संवैधानिक आयाम अनुच्छेद 21 से जुड़ा है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया है कि जीवन का अर्थ केवल शारीरिक अस्तित्व नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन है। जब किसी व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता के बाद उसका जीवन-मूल्य केवल गणितीय सूत्रों और आय-स्लैब तक सीमित कर दिया जाता है, तो यह उसकी अंतर्निहित गरिमा को कमतर आँकने जैसा प्रतीत होता है। जीवन को केवल आर्थिक हानि के चश्मे से देखना उस संवेदनशील पीड़ा, मानसिक आघात और सामाजिक असुरक्षा को नजरअंदाज करता है, जिसका सामना पीड़ित परिवार को करना पड़ता है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि न्यायसंगत मुआवजा की अवधारणा स्वयं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यापक अर्थों में व्याख्यायित की गई है। न्यायालय ने माना है कि मुआवजा केवल आय-हानि की भरपाई नहीं, बल्कि भावनात्मक क्षति, मानसिक वेदना और भविष्य की अनिश्चितता के लिए भी होना चाहिए। फिर भी, मौजूदा कानूनी ढांचा इन अमूर्त पहलुओं को पर्याप्त स्थान नहीं देता। परिणामस्वरूप, मुआवजा प्रक्रिया अक्सर एक यांत्रिक गणना बनकर रह जाती है, जिसमें मानवीय संवेदना का अभाव दिखाई देता है।

यदि हम अन्य परिवहन कानूनों से तुलना करें, तो यह असमानता और भी स्पष्ट हो जाती है। रेलवे अधिनियम और विमानन से जुड़े कानूनों में दुर्घटना की स्थिति में एक समान, निश्चित मुआवजा निर्धारित है, जो पीड़ित की आय या सामाजिक स्थिति से स्वतंत्र होता है। उदाहरण के लिए, रेलवे दुर्घटनाओं में मृत्यु पर एक निश्चित राशि दी जाती है। यह व्यवस्था यह स्वीकार करती है कि सुरक्षा का अधिकार और जीवन का मूल्य सभी नागरिकों के लिए समान है। सड़क परिवहन क्षेत्र में इस तरह की एकरूपता का अभाव यह प्रश्न उठाता है कि क्या भारत में सुरक्षा का अधिकार परिवहन माध्यम के अनुसार बदल जाता है।

एक कल्याणकारी राज्य में राज्य की भूमिका केवल न्यायालयों के माध्यम से विवाद निपटाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक को न्यूनतम गरिमा के साथ जीवन और मृत्यु दोनों में संरक्षण मिले। इस दृष्टि से सड़क दुर्घटना मुआवजा प्रणाली में सुधार समय की आवश्यकता है। सबसे पहले, एक उच्च और अनिवार्य न्यूनतम मुआवजा राशि तय की जानी चाहिए, जो नो-फॉल्ट लायबिलिटी के सिद्धांत पर आधारित हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आय चाहे कुछ भी हो, प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक सम्मानजनक आधारभूत सहायता मिले। इसके साथ ही, गैर-अर्जक वर्गों के योगदान का यथार्थवादी मूल्यांकन किया जाना चाहिए। गृहिणियों, बच्चों और वृद्धों के लिए मुआवजा निर्धारित करते समय केवल काल्पनिक आय के बजाय उनके सामाजिक, देखभाल और भावनात्मक योगदान को भी महत्व दिया जाना चाहिए। यह सुधार न केवल लैंगिक न्याय की दिशा में कदम होगा, बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं के अधिक निकट भी होगा।

चलो घंटा बजाते हैं

आओ मदन, आज तुम्हें उस सरकारी गुफा के दर्शन कराऊँ, जहाँ 'घंटा' शब्द धातु का मोह छोड़कर 'रिश्वत' का रसगुल्ला बन जाता है। ओंकार दादू ने हाथ पकड़कर मदन को उस गलियारे में खींच लिया, जहाँ फाइलों का ढेर किसी सड़ते हुए शव की तरह बदबू दे रहा था। परसाई जी की रूह यहाँ दीवारों पर टंगे उन पोस्टरों में मुस्कुरा रही थी, जिन पर लिखा था– 'भ्रष्टाचार मिटाओ', मगर जिनके पीछे ही असली 'घंटा' बजाया जा रहा था। यहाँ का सरोकार जनता की सेवा नहीं, बल्कि उस जेब का वजन है जो 'घंटे' के शोर को शांत कर सके। दादू ने फुसफुसाते हुए कहा, बेटा, यहाँ जब बड़ा बाबू कहे कि 'काम में घंटा भर लगेगा', तो समझ लेना कि वह साठ मिनट की बात नहीं कर रहा, बल्कि तुझसे उस 'दक्षिणा' की मांग कर रहा है जिसे दिए बिना यहाँ पत्ता भी नहीं हिलता। यहाँ 'घंटा' एक कूटशब्द (कोड वर्ड) है, जो मयार्दा की ओट में नंगई का नाच नाचता है।

साहब, मेरी फाइल पर दस्तखत कर दीजिये, माँ अस्पताल में है। मदन ने बड़े बाबू के सामने गिड़गिड़ाते हुए कहा। बाबू ने चश्मा नाक पर टिकाया और एक ऐसी नजर डाली जो इंसान को सीधा 'घंटा' (अकिंचन) करार दे दे। मदन बाबू, फाइल तो बढ़ जाएगी, पर इसमें जो 'घंटा' गायब है, उसका क्या? यहाँ 'घंटा' का अर्थ वह चिकना नोट है जो फाइल के पहियों में ग्रीस का काम करता है। मदन ने मासूमियत से पूछा, साहब, दफ्तर में तो बड़ा घंटा टंगा है, फिर फाइल में कौन सा घंटा चाहिए? बाबू हँसे, वैसी ही कुटिल हँसी जैसी बिल्ली चूहे को खाने से पहले दिखाती है। मूर्ख, वह दीवार वाला घंटा तो केवल समय का कत्ल करता है, फाइल वाला 'घंटा' ही असल में 'विकास' का रास्ता साफ करता है। यह हृदयविदारक यथार्थ है कि जहाँ न्याय और अधिकार की बात हो, वहाँ व्यवस्था एक बहरा 'घंटा' बन जाती है, जो तभी बजती है जब उस पर चांदी की चोट की जाए। दादू, यो तो सीधा-सीधा डकैती है! मदन का खून खौल उठा। दादू ने उसका हाथ दबाया, चुप रह छोरा, यहाँ दीवार के भी कान हैं और वो भी 'घंटे' सुनने के आदी हैं। परसाई शैली का तीखा कटाक्ष यहाँ है– प्रशासन एक ऐसा मंदिर है जहाँ देवता तभी जागता है जब पुजारी की मुट्ठी गरम हो। यहाँ की फाइलें सबसे नीचे दबी होती हैं क्योंकि उनमें 'घंटे' की खनक नहीं होती।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 09 जनवरी 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 07:14 सूर्यास्त 17:54
माघ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - सप्तमी दिन पूर्ण उपरांत सप्तमी
नक्षत्र - उत्तराफाल्गुनी 13:41 उपरांत हस्त
योग - शोभन 16:55 उपरांत अतिगंड
करण - विष्टि
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कन्या में रहेगा।
मुस्लिम मास - रज्जब मास 19 तारिख

मेष- सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृषभ- नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मिथुन- पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क- कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा।

सिंह- नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे।

कन्या- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

तुला- व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

वृश्चिक- व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

धनु- उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर- बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। फालतू खर्च होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें।

कुंभ- यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

मीन- संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

सभी परीक्षाओं में जैमर और सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य हो

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा फरवरी-मार्च में आयोजित होने वाली दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं को नकल मुक्त बनाने का नया निर्णय सराहनीय और दूरदर्शी है। बोर्ड ने संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल ऐप आधारित ऑनलाइन निगरानी व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया है। इसके तहत जैमर और सीसीटीवी कैमरों से परीक्षा प्रक्रिया पर सतत नजर रखी जाएगी। यह कदम न केवल परीक्षा की पवित्रता सुनिश्चित करेगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाली का माध्यम भी बनेगा।तकनीक के दुरुपयोग से नकल के नए तरीके उभरे हैं–मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरपीस और सोशल मीडिया के जरिए संगठित गिरोह अब बड़ी चुनौती हैं। जैमर परीक्षा केंद्रों में मोबाइल नेटवर्क को निष्क्रिय करेगा, जबकि सीसीटीवी न केवल परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर नजर रखेगा, बल्कि कक्ष निरीक्षकों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को भी पारदर्शी बनाएगा। कैमरे लगाने से काम नहीं चलेगा; परीक्षा के दौरान उनकी सतत निगरानी और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई जरूरी है।यह व्यवस्था साहसिक इसलिए है क्योंकि अब तक अनियमितताओं का दोष मुख्यतः छात्रों पर ही मढ़ा जाता रहा, जबकि लापरवाही या मिलीभगत की शिकायतें भी आम हैं। सीसीटीवी से जवाबदेही तय होगी और ईमानदार शिक्षकों को संदेह से मुक्ति मिलेगी।मध्य प्रदेश स्कूली शिक्षा विभाग ने इसे फिलहाल केवल संवेदनशील केंद्रों तक सीमित रखा है, लेकिन इसे चरणबद्ध रूप से सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू करना चाहिए। समान परीक्षा प्रणाली में भिन्न निगरानी स्तर असमानता पैदा करते हैं। यदि परीक्षा योग्यता और परिश्रम का सच्चा मूल्यांकन है, तो प्रक्रिया हर जगह निष्पक्ष होनी चाहिए।उच्च शिक्षा विभाग को भी आगे आना होगा। सरकारी-निजी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नकल की शिकायतें कम नहीं हैं। बोर्ड स्तर पर संभव तकनीकी निगरानी को उच्च शिक्षा में भी लागू कर विद्यार्थियों को उनकी वास्तविक योग्यता के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित किए जाएं।

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

कल्पवासी चले प्रयाग

पावन माघ मास का हुआ है शुभारंभ और घाटों पर रौनक छाई,
एक माह के इस उत्सव ने भक्तों में अनोखी संकल्प शक्ति जगाई,
कल्पवासी चले प्रयाग प्रण लेकर कठिन व्रत का बहुत ही खास,
12 वर्षों की यह अद्भुत तपस्या माघ मास गंगा स्नान व उपवास ।
कल्पवासी करेंगें धरती पर शयन सत्य भाषण वाणी पर संयम,
एक महीने गृहस्थ आश्रम से हो दूर करेंगे हरि की सेवा प्रथम,
सुंदरतम माघ महात्म तीनो काल सुबह दोपहर संध्या बांचेंगे,
तुलसी जी और जौ को प्रतिदिन सींच संकीर्तन सत्संग करेंगे ।
गंगा की रेती और संगम स्थल पर संतों संग ₹आनंद₹ होगा भरपूर,
समर्पित कर तन मन धन सब ईश्वर को मायावी जग से वे रहेंगे दूर,
दुखियों की करेंगे स्वैच्छिक सेवा स्वयं भोजन बना कर ग्रहण करेंगे,
आए चाहे कोई बाधा एक माह कल्पवास के स्थान को नहीं छोड़ेंगे ।
माघ मास की महिमा विशाल देती जीवन संजीवनी शक्ति अनंत,
इन्द्रियों पर साधकर संयम अनूठा मोक्ष गमन भीतर होता जीवंत,
जहाँ अनूठा अमृत झरता अम्बर से जो व्याधि मुक्त बनाता जीवन,
बड़ा ही पवित्रतम होता भक्त-भगवान व पूजनीय संतों का मिलन ।

मोनिका डागा

शादी विकल्प, जीवन मिशनः आज की लड़कियों की सोच

सपनों की उड़ान अब किसी परंपरा की कैद में नहीं रुकती। आज की लड़कियां अपने भविष्य को खुद आकार दे रही हैं, और यह तय कर रही हैं कि जीवन का असली मानदंड केवल विवाह नहीं, बल्कि स्वायत्तता, तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, उद्यमिता और नेतृत्व में अपनी पहचान बनाना है। हर कदम पर वे पुरानी सीमाओं को चुनौती देती हैं और नए अवसरों की खोज में समाज की रूढ़ियों को पीछे छोड़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई पीढ़ी की शक्ति, साहस और समाजिक बदलाव का प्रतीक है।

कृति आरके जैन,
(दैनिक अवन्तिका)

नई पीढ़ी की लड़कियों का दृष्टिकोण

आज की लड़कियां शादी को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं मानतीं। वे अपने सपनों, करियर और आत्म-विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। यह बदलाव केवल एक क्षणिक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि समाज में गहरी और स्थायी क्रांति का संकेत है। भारतीय परंपरा में वर्षों से चली आ रही धारणा कि लड़की की सफलता केवल घर, विवाह और गृहस्थी में मापी जाती थी, अब पूरी तरह टूट चुकी है। नई पीढ़ी स्पष्ट रूप से कहती है जीवन मेरा है, फैसले मेरे हैं, और समय मेरे हाथ में है। यह आजादी उन्हें आत्मविश्वास, सम्मान और सामाजिक मान्यता देती है। हर लड़की के लिए यह परिवर्तन प्रेरणा और दिशा का स्त्रोत बन चुका है।

बंधनों से मुक्ति का सफर

इतिहास में लड़कियों को अक्सर परिवार और समाज की सीमाओं में रखा गया। बाल विवाह, कम शिक्षा और घरेलू जिम्मेदारियों ने उनकी प्रतिभा और संभावनाओं को रोका। स्वतंत्रता के बाद भी यह सोच धीरे-धीरे बदल रही थी। लेकिन पिछले तीन दशकों में शिक्षा के प्रसार, कानूनी सुरक्षा और वैश्विक दृष्टिकोण ने यह परिदृश्य पूरी तरह बदल दिया। सावित्रीबाई फुले से लेकर आज की युवा उद्यमियों तक, महिलाओं ने हर मोड़ पर संघर्ष किया। अब लड़कियां आईएएस, वैज्ञानिक, पायलट और सीईओ बन रही हैं। वे समझ चुकी हैं कि शादी जीवन का हिस्सा है, लेकिन उसका अंतिम लक्ष्य नहीं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत चुनाव नहीं, बल्कि समाज में गहन क्रांति का प्रतीक बन चुका है।

आंकड़े जो बदलाव दिखाते हैं

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 22.5 वर्ष से अधिक हो चुकी है। शहरी क्षेत्रों में यह 25-28 वर्ष तक पहुँच चुकी है। उच्च शिक्षा प्राप्त 70 प्रतिशत से अधिक लड़कियां शादी को 25 वर्ष के बाद स्थगित करना चाहती हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, और स्टार्टअप्स में महिला संस्थापकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लाखों लड़कियां अब सोशल मीडिया पर अपनी करियर और शादी में देरी की पसंद को खुलकर व्यक्त कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता फैल रही है। समाज का दबाव अभी भी मौजूद है, लेकिन लड़कियां जवाब दे रही हैं पहले करियर, पहले स्थिरता, पहले अपनी पहचान।

व्यक्तिगत और सामाजिक सशक्तिकरण

जब लड़कियां शादी से पहले अपने जीवन की योजना बनाती हैं, तो वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनती हैं। इससे उनके निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है, आत्मविश्वास मजबूत होता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

धर्म-आस्था

श्रीरामकथा एवं श्रीहनुमानकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग

राम के जीवन पर न जाने कितनी कथाएँ होंगी और कितनी किंवदंतियाँ। न जाने कितने कथावाचक रामायण की कहानियाँ सुना-सुनाकर प्रभूत यश एवं धन के स्वामी बन बैठे हैं। उनके बड़े-बड़े आश्रम हैं, पीठ हैं और भक्त हैं, जबकि उनकी कथाओं में बड़ी मात्रा में मनोरंजक मसाला मिला होता है। वे कथा का स्त्रोत भी नहीं जानते। दूसरी ओर डॉ. नरेंद्रकुमार मेहता जैसे कुछ सत्यशोधक हैं, जो विभिन्न ग्रंथों के आधार पर पाठकों की जिज्ञासा शांत करते हैं और उसका संदर्भ सहित स्त्रोत भी बताते हैं। मेहता जी की यह पुस्तक भी ठोस संदर्भों के साथ लिखी गई है, जिसमें पचहत्तर से अधिक ऐसे अज्ञात या अल्पज्ञात प्रसंग दिये गए हैं, जिससे रामकथा प्रेमी लाभान्वित होंगे तथा कथावाचक अपने व्यवसाय में श्रीवृद्धि कर सकेंगे।

लगभग तीन सौ पृष्ठों की पुस्तक में आए सभी प्रसंगों तथा कथाओं का उल्लेख यहाँ नहीं किया जा सकता। दुर्लभ प्रसंगों का रहस्योद्घाटन भी किसी समीक्षा में नहीं हो सकता। यहाँ बस कुछ उदाहरण दिए जा सकते हैं। रामकथा में एक प्रसंग दशरथ की एक पुत्री के होने का आता है, जिसका उल्लेख तुलसीदास के रामचरितमानस में नहीं मिलता। महाराज दशरथ की पुत्री शांता की कथा लोक में सुनी जाती है। मेहता जी के अनुसार इसका उल्लेख आनंद रामायण में है। महाराज दशरथ की यह पुत्री सुमित्रा से पैदा हुई थी। जब महाराज दशरथ पुत्रेष्टि यज्ञ कराने को तत्पर हुए तब महर्षि वशिष्ठ ने उन्हें सलाह दी कि वे ऋष्यशृंग को बुलाकर सरयूतट पर यह यज्ञ संपन्न करवा सकते हैं। शांता का विवाह ऋष्यशृंग से हुआ था। एक कथा के अनुसार शांता अंगदेश के नरेश रोमपाद की दत्तक पुत्री थी, जिसे रोमपाद ने ऋष्यशृंग को दे दी थी। इन्हीं ऋष्यशृंग ने अंगदेश में वर्षा न होने पर यज्ञ करवाया था, जिससे वर्षा हुई थी। यह कथा इस पुस्तक में विस्तारपूर्वक दी गई है।

सीता स्वयंवर में शिवधनुष टूटने पर परशुराम जी का क्रोध एवं परशुराम लक्ष्मण संवाद सभी को ज्ञात है, किंतु शिवधनुष के श्रीराम द्वारा तोड़े जाने पर परशुराम जी ने इतना क्रोध क्यों किया? क्या परशुराम जी का क्रोध उचित था? इस प्रश्न का उत्तर कम लोगों को मालूम है। इस प्रश्न का उत्तर च्मानसश्रीज मेहता जी ने श्रीमद्वाल्मीकिरामायण तथा अन्य ग्रंथों के आधार पर सप्रमाण देते हैं। देवताओं के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने दो धनुषों का निर्माण किया था। जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था, उसे देवताओं ने त्रिपुरासुर का वध करने के लिए भगवान शिव को दे दिया था। दूसरा धनुष, जिसका नाम दुर्धर्ष था, वह परशुराम जी को मिला था। कौन-सा धनुष किसको कैसे मिला, कहाँ पहुँचा, इसकी भी अनेक अंतर्कथाएँ हैं, जिसका वर्णन मेहता जी ने च्शिवधनुष के टूटने पर भगवान परशुराम के क्रोध का रहस्यज नामक अध्याय में किया है। रामायण प्रसंगों में बहुत रुचि रखने वाले तथा प्रश्न करने वाले पाठकों के लिए यह अध्याय बहुत उपयोगी है।

जिन प्रमुख प्रसंगों, रहस्यों का उद्घाटन लेखक ने इस पुस्तक में किया है, उनमें च्देवर्षि नारद का दक्ष प्रजापति को श्रापज, च्ब्रह्मा जी की भविष्यवाणी तथा कौसल्या हरणज, च्सीता जी के पिता के इतने नाम क्यों? श्रीराम भरत मिलाप में अंबरीश दुवार्सा प्रसंग की अंतर्कथाज, च्जटायु श्री दशरथ जी के मित्र कैसे?ज, च्रामसेतु एवं श्री रामेश्वर लिंग का माहात्म्यज आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इन अध्यायों में लेखक ने केवल कथा ही नहीं लिखी है, उसे तर्कपूर्ण ढंग से एक दूसरे से जोड़ा भी है। जब पाठक इन अध्यायों से गुजरता है तो उसे लगता है कि उसकी जिज्ञासाओं का शमन हो चुका है। कुछ अध्याय या प्रसंग तो ऐसे हैं कि सामान्य व्यक्ति के लिए वे सर्वथा अपरिचित हैं। रामसेतु की लंबाई, चौड़ाई कितनी है तथा यह कितने समय में बना, इन सबका गणितीय आँकड़ा भी दिया गया है। मेहता जी रामसेतु का वर्णन करते हुए लिखते हैं :

श्रीराम सेतुबंध सौ योजन लम्बा बनाना था। अतः कुछ दूसरे वानर सौ योजन लम्बा सूत पकड़े हुए थे। हाथी के समान विशालकाय वानर बड़े उत्साह और तेजी के साथ कार्य सम्पन्न कर रहे थे। प्रथम दिवस ही वानरों ने 14 (चौदह) योजन लम्बा पुल बाँधा।

दूसरे दिन इन्हीं भयंकर शरीरवाले महाबली वानरों ने तेजी से काम करके 20 (बीस) योजन लम्बा पुल शीघ्रतापूर्वक बाँध दिया।

डॉ. नरेन्द्र मेहता

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2350-3050, चना काबली- 3011-9000, चना बड़ा- 4041-5005, बटला- 3280 तिल्ली- 5700-6300, सोयाबीन- 1901-5461, मैथीदाना- 4500-5270 6500, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना- स्टेण्डर्ड- 1,38,500, रवा- 1,38,400 चांदी- टंच- 2,37,500 पाट- 2,37,400।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

मीसाबंदी किशोरी लाल चौरसिया का पार्थिव देह पंच तत्व में विलीन

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने जताया शोक

गुना। लोकतंत्र सेनानी एवं मीसाबंदी किशोरी लाल चौरसिया का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ बुधवार बूढ़े बालाजी मुक्तिधाम पर संपन्न हुआ। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई के पूर्व गार्ड ऑफ आर्नर दिया गया। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, एडीएम अखिलेश जैन, तहसीलदार एसबैरवा ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया सहित अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि किशोरी लाल चौरसिया जी ने लोकतंत्र की रक्षा और समाज के उत्थान के लिए उनका आजीवन संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणा बना रहेगा। उनके सिद्धांत, साहस और सेवा भाव की स्मृतियाँ सदैव जीवित रहेंगी। उनके अंतिम यात्रा में जिला महामंत्री संतोष धाकड़, रविन्द्र रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं समाज के लोग उपस्थित रहे। वे अपने जीवनकाल भारतीय जनता पार्टी के संगठन में विभिन्न दायित्वों पर रहे हैं और इमरजेम्सी के दौरान जेल में रहे हैं। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र ने दी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के आगमन की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

गुना। बैठक में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के म्याना आगमन की तैयारियों को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार के नेतृत्व में म्याना मंडल की बैठक आयोजित की गई जिसमें पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया भी उपस्थित रहे। बैठक में म्याना मंडल के अंतर्गत डूँगासरा, म्याना, टकनेरा शक्ति केन्द्र की बत्तीस बूथों की समिति सदस्यों के साथ पार्टी की कामकाजी बैठक को सम्बोधित लिया एवं पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार सभी कार्यकताओं को पार्टी के कार्यक्रमों को मूर्त रूप देने की बात कही। पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही सर्वोच्च है,वो ही अपनी निष्ठा और समर्पण से हमे विधायक और मंत्री बनाता है। बैठक उपरांत पार्टी पदाधिकारियों ने म्याना रेलवे स्टेशन पहुंचकर गुरुवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुरुवार शाम ग्वालियर भोपाल इंटरसिटी के म्याना स्टॉपेज एवं भोपाल जोधपुर ट्रेन का पगारा स्टेशन पर स्टॉपेज का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इस दौरान मंडल अध्यक्ष शुभम रघुवंशी, मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव,जिला पंचायत सदस्य दामोदर शर्मा, सरपंच जयनारायण सोनी, मुकेश जाटव, कुलदीप गोयल आदि उपस्थित रहे।

वैश्य महासम्मेलन के वार्षिक बहुरंगीय कैलेंडर का विमोचन संपन्न

भौरासा। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश द्वारा वर्ष 26 के बहुरंगी वार्षिक कैलेंडर का विमोचन स्थानीय इकाई द्वारा माहेश्वरी समाज धर्मशाला में संपन्न हुआ कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यनारायण की लाठी जिला अध्यक्ष गौरव खंडेलवाल मुख्य अतिथि थे। नगर वैश्य समाज अध्यक्ष प्रदीप मंत्री की अध्यक्षता में समाज के उपाध्यक्ष महेश बलदवा के सहित शिवजी संघवी गौरव जी गुप्ता पवन गोयल एवं संजय सेठी के विशेष अतिथि में संपन्न हुआ सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माता लक्ष्मी के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया सभी अतिथियों का स्वागत समाज के सदस्य द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन प्रदीप मंत्री द्वारा एवं संचालन माहेश्वरी समाज के जिला महामंत्री प्रकाश मंत्री एवं आभार समाज के नितिन शारड़ा द्वारा दिया गया मुख्य अतिथि लाठी एवं खंडेलवाल द्वारा समाज की उनती एकता एवं संगठन को मजबूत करने तथा देश एवं समाज हित में कार्य करने पर जोर दिया कैलेंडर में विवाह मुहूर्त मुख्य त्योहार राष्ट्रीय त्योहार जन्म जयंती पुण्यतिथि राशिफल समाज के पदादिकारीयों के मोबाइल नंबर वैश्य घटकों की जानकारी जन्म कुंडली की सुन्दर प्रस्तुति हैं। कार्यक्रम को समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे। समाज के वरिष्ठ सदस्य महेश मंत्री घनश्याम लाहोटी महेश बलदवा ने भी संबोधित कर समाज की एकता पर जोर दिया इस अवसर पर समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे।

महामंगल ध्वजयात्रा का चतुर्थ वर्ष

श्री मंगलनाथ मंदिर से श्री अंगारेश्वर महादेव मंदिर तक निकली महामंगल ध्वज यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बडनगर

अंग्रेजी कैलेंडर के नए साल के पहले मंगलवार को सुबह बडनगर की धरा भक्तिमय नजर आई । अंगारेश्वर महादेव भक्त मंडली बड़नगर के प्रमुख और यात्रा संयोजक प्रध्युम पण्डया भाईजी ने बताया कि सनातन धर्म की इस महामंगल यात्रा का यह चौथा वर्ष है । जिसमें तहसील की धर्मप्रेमी जनता हाथों में भगवा ध्वज लेकर हर हर महादेव जय महामंगल, जय अंगारेश्वर महादेव के जयघोष के साथ जुनाशहर स्थित प्राचीन श्री मंगलनाथ महादेव मंदिर से सुबह 11 बजे महाआरती उतार कर शिप्रा तट स्थित अंगारेश्वर महादेव मंदिर उज्जैन के लिए महामंगल ध्वज यात्रा लेकर निकले है ।

मंगलवार को यात्रा के प्रारंभ में श्री सिद्ध हनुमान धाम परमहंस आश्रम भोले निवास (भोमलवास) श्री गोपाल कृष्णानंद महाराज, विधायक जितेंद्रसिंह पण्डया ने मंगलनाथ महादेव की आरती एवं ध्वज पूजन ओर अंगारेश्वर महादेव के चित्र पर

दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की। विधायक पण्डया ने उपस्थित सनातनियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी परंपरा सनातन की परंपरा है,जो हमें ऋषि मुनियों ने सौंपी है । उसका निर्वहन होना चाहिए । ये जो ध्वज यात्रा है, सनातन धर्म का ध्वज है। इसे हम झुकने न दे । जैसे देश के वीर जवान सीमा पर दुश्मनों को सिने पर गोली खाकर भी मुंह तोड़ जवाब देते हैं और हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की रक्षा करते हैं । तत्पश्चात गोपाल कृष्णानंद महाराज व विधायक पण्डया महामंगल ध्वज लेकर खुली जीप में सवार हुए और यात्रा की शुरआत की। दोपहर 3 बजे यात्रा अंगारेश्वर महादेव मंदिर पहुची जहा मुख्य पुजारी मनीष उपाध्याय ने अखिल भारतीय औदिच्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण पटेल विधायक जितेंद्रसिंह पण्डया, युवा इकाई राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन अवस्थी, डॉ राकेश पंड्या, डी पी भाईजी ,वासुदेव रावल, शैलेन्द्र सिंह झाला सहित अन्य भक्तों को पूजन अभिषेक करवा ध्वज अर्पण किया गया ततपश्चात ध्वज को शिखर पर लगाया गया ।जिसके उपरांत महाआरती कर प्रसादी वितरण की गई । महामंगल ध्वज यात्रा में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मधुसूदन भारद्वाज ,भाजपा नगर अध्यक्ष नवीन राठौड़ , इंगोरिया मंडल अध्यक्ष इंद्रपालसिंह पंड्या , भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश व्यास , भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश हारोड , भाजपा मंडल अध्यक्ष विजयराज सिंह चिरोला बना ,जिला पंचायत सदस्य रामप्रसाद पंड्या,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह राठौर, संतोष पंड्या ,विजय मेहता , अंकित त्रिवेदी लल्ला ,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हिमांशु शर्मा , आकाश यादव ,लाला पटेल ,हिमांशु शुक्ल , देवनारायण व्यास, अंकित दवे , हिमांशु रावल ,रवि भट्ट , यशप्रकश पंड्या , सहित अंगारेश्वर महादेव के भक्तगण शामिल थे।

इन मार्गो से होकर निकली यात्रा

महामंगल ध्वज यात्रा कोर्ट तिराहा होते हुए मौलाना , रसूलाबाद , खरसोद खुर्द सातवामिल, सरसाना, इंगोरिया, चिकली, खडोतिया, मुल्लापुरा , मेला ग्राउंड, गुमानदेव हनुमान, खाकचौक, सान्दीपनि आश्रम, श्री मंगलनाथ महादेव मंदिर होते हुए श्री अंगारेश्वर महादेव पहुंची।

24 वा पेंशनर सम्मान समारोह आज 9 जनवरी को आयोजित होगा

खाचरोद। मध्यप्रदेश पेंशनर समाज द्वारा 24 वा सम्मान समारोह 9 जनवरी 2026 को प्रातः 10.30 बजे स्थान सुनारिया बाजार में आयोजित किया जाएगा। जिसमें 11 पेंशनरजन का सम्मान ओर 26 नवीन सदस्यों का स्वागत एवं 2 सदस्य वृक्षारोपण पर्यावरण पुरुष का सम्मान किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर.सी. मिश्रा प्रांतीय महासचिव पेंशनर समाज , अध्यक्षता मदनलाल पाटीदार जिला पेंशनर समाज, विशेष अतिथि पीठाधीश्वर श्री श्री कृष्णानंद महाराज, नपाध्यक्ष गोविद भरावा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, अध्यक्ष तहसील बड़नगर पेंशनर समाज भरत शर्मा, अध्यक्ष तराना पेंशनर समाज देवी सिंह चौहान, जिलाउपाध्यक्ष उज्जैन पेंशनर समाज मोहनलाल लोहार की उपस्थित में होगा। उक्त कार्यक्रम में सभी पेंशनरों का समान आदि का कार्य अध्यक्ष जगदीशचंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष दिलीप खाबीया, सचिव सुरेशचंद्र शर्मा एवं कार्यकारिणी समिति द्वारा किया जाएगा।

लखनवास में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया

ब्यावरा। कांग्रेस गादिया ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार जाट, गादिया ब्लॉक युवक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश दांगी करणपुरा के नेतृत्व में इंदौर के भागीरथपुरा में पीने के दुषित पानी सेआम जनता की जान जाने पर सवाल पूछने पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया पुतला दहन कार्यक्रम में युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमन अरोरा , जिला उपाध्यक्ष शिव दांगी ,अर्पित शर्मा , भंवर बना, महेशगुर्जर, सोमिल पाराशर, बाबूलाल मीना, मन्ना सिंह, मानसिंह, सावतगुर्जर, महेंद्र गुर्जर, ईश्वर गुर्जर, मनोज शिवहरे, सर्जन लववंशी बसंतिगिर, मनोज शिवहरे, गोविंद पटेल, महेश गुर्जर , किशन पुरी, शिवगिरी ,ज्ञानसिंह लोदा, सूरज बना एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

चाइना डोर को लेकर पुलिस प्रशासन व राजस्व की संयुक्त कार्रवाई

पतंग और मांझा विक्रेताओं की दुकानों पर औचक निरीक्षण किया

चाइना डोर को लेकर राजस्व व पुलिस प्रशासन हुआ सख्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भौरासा

नगर में मकर संक्रांति पर्व को लेकर बच्चों में पतंग उड़ाने का उत्साह काफी देखने को मिल रहा है तो वही चाइना डोर की बिक्री का भी अंदेशा बना हुआ है। बुधवार को देवास जिलाधीश के निर्देश अनुसार नगर में राजस्व एवं पुलिस प्रशासन द्वारा नगर की पतन दुकानों पर औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण में नायब तहसीलदार नेहा शाह एवं थाना प्रभारी प्रीति कटारे अपने दलबल के साथ नगर की पतंग दुकानों पर चाइना डोर को लेकर कार्रवाई करने निकली नगर की पांच दुकानों पर निरीक्षण किया गया वही किसी के यहां पर भी चाइना डोर नहीं पाई गई वहीं सभी दुकानदारों को चाइना डोर न बेचने की हिदायत भी दि गई ,कहा कि अगर किसी के पास

भी चाइना डोर मिलती है या पाई जाती है तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी, विक्रेताओं से बात कर दुकान की सघन तलाशी ली गई इस दौरान किसी भी विक्रेता के यहां चाइना डोर नहीं मिली पुलिस टीम ने सभी को समझाइश दी कि आगे भी चाइना डोर ना रखें इससे आपके साथ-साथ आमजन भी सुरक्षित रहेंगे चाइना डोर मिलने पर नियम अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी,इस अवसर पर उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह भदोरिया उप निरीक्षक प्रताप सिंह, संजय तंवर, प्रधान आरक्षक अभिषेक पांडे, राहुल चावड़ा, अशोक चौहान, जितेंद्र तोमर, आरक्षक उमेश भदोरिया राजस्व नेहा मैडम, सहित आदि स्टाफ मौजूद रहा।

बड़नगर श्री संघ के 100 से अधिक धमार्लुजन करेंगे तीर्थकरो प्रभु की

मोक्ष भूमि शिखरजी और पंच तीर्थ की यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

जैन धर्म में तप, तपस्या, आराधना का बहुत महत्व है और जब तीर्थ यात्रा स्पर्शना की बात हो तो यह पुण्य उदय और अधिक बढ़ जाता है। बड़नगर सकल श्वेताम्बर जैन समाज के 111 के लगभग यात्रियों द्वारा शिखरजी सहित पंच तीर्थी जिसमें लछवाड़ रिजु बालिका पावापुरी कुंडलपुर नालंदाआदि तीर्थों की स्पर्शना कर प्रभु के चरणों में शीश नवा कर कर्मों की निर्जरा करेंगे। यह अवसर प्रदान किया है सकल श्री संघ के सहयोग एवं दानवीर भामाशाहों के सहयोग से सेवा कार्यों में अग्रणी राजेंद्र सेवा समिति द्वारा भामाशाओं के सहयोग से। न्यूनतम राशि से सभी यात्रियों को झारखंड राज्य स्थित शीखरजी सहित पंच तीर्थ की यात्रा कराई जा रही है। इस यात्रा संघ में बाल, युवा, वयोवृद्ध महानुभाव यात्रियों द्वारा सहभागिता करते हुए पूरे हर्ष और

उल्लास के साथ प्रभु के दर्शन करने को आतुर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वाधिक यात्रियों वाला यह शिखरजी संघ अपने आप में एक इतिहास बनाते हुए निकला है। मंगलवार को तीर्थ यात्रियों का बहुमांन करते हुए नगर वासियों द्वारा स्वागत बहुमान कर भव्य विदाई दी गई। इसके पूर्व स्थानीय राजेंद्र सूरी ज्ञान मंदिर में लाभार्थी परिवार जिन्होंने पुण्योदय से मिली लक्ष्मी का सदुपयोग कर यात्रा करवाने में सहभागी बने हैं। उनकी खूब-खूब अनुमोदना करते हुए श्री संघ एवं समितियां और साथियों द्वारा बहुमान किया गया। इस यात्रा में यात्रीगण अनेक तीर्थ की स्पर्शना करते हुए जैन समाज के 24 में से 20 तीर्थंकरों की मोक्षस्थली शिखरजी पहाड़ की यात्रा कर अपने आप को धन्य महसूस करते हुए प्रभु के दर्शन करने के पश्चात अपने आप को भाग्यशाली महसूस करेंगे। बहुमान सभा में क्षेत्रीय विधायक जितेंद्र उदय सिंह पंड्या, पूर्व विधायक मुरली मोरवाल सहित गणमान्य समाजजन एवं बाहर से पधारे लाभार्थी परिवार एवं यात्रीगण ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी यह यात्रा कुशल हो मंगल हो एवं आप पूरी तरह स्वस्थ रहकर पुण्य लाभ प्राप्त करो । यात्रा व्यवस्था प्रभारी मनीष ओरा, अमित कुमठ ने बताया कि यात्रा में समिति द्वारा यात्रियों के भोजन आवास नाश्ता आदि की संपूर्ण व्यवस्था की गई है । जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार नाहर ने दी।

सोयाबीन छह हजार,गेहूं चार हजार एमएसपी को लेकर किसानों को 4 गुना मुआवजा लैंड पुलिंग समाप्त हो–चौहान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

किसान कांग्रेस ने देवास से विजयगंज मंडी तक निकाली किसान जन आंदोलन यात्रा देवास बुधवार को किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान के नेतृत्व में एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सिंह चौहान कि अध्यक्षता में देवास विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के हक में किसान जन आंदोलन यात्रा निकाली गई यात्रा सुबह 12 बजे शिवाजी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात यात्रा प्रारंभ हुई जो अमलावती निपानिया मेंडकी धाकड़ पटलावदा लोहान बजेपुर कवड़ी अग्रोद रालामंडल मंगरोला सालनखेड़ी भेसुनी विजयगंज मंडी पहुंची यात्रा का किसानो ने जोरदार स्वागत किया मंडी के चौक बाजार

में विशाल सभा का आयोजन किया गया जिसे संबोधित करते हुए किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने किसानों को बताया की यात्रा का हमारा प्रमुख उद्देश्य है कि गेहूं की एसपी 4000 रुपए प्रति कुंटल की जाय धान की एसपी 4000 रुपए प्रति कुंटल की जाय सोयाबीन की एसपी 6000 रुपए प्रति कुंटल मक्का के समर्थन मूल्य पर अनिवार्य खरीदी प्याज आलू टमाटर लहसुन का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए नकली खाद बेचने वालों पर सख्त कानून बने।

लैंड पूलिंग योजना को आपको समझना होगा यह योजना निरस्त होनी चाहिए नहीं तो आपकी कीमती भूमि उद्योगपतियों को दे दी जाएगी। किसान कांग्रेस ने आप के हक में किसान जन आंदोलन यात्रा निकालने का निर्णय लिया है जो पूरे प्रदेश में निकाली जाएगी मैं चाहता हूं कि आप भी इसमें हमारा साथ दे। सभा को किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान मनीष चौधरी प्रयास गौतम प्रदीप चौधरी मनोज राजानी जय सिंह ठाकुर राजेंद्र मालवीय तंवर सिंह चौहान विक्रम मुकाती सुधीर शर्मा महेंद्र सिंह यशोना सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान ग्रामीण एवं कांग्रेस जन उपस्थित थे इस अवसर पर ईश्वर सिंह अकालिया,ब्रजराज सिंह, संजय पटेल,बलराम सिंह यादव, कैलाश शर्मा,अनिल जायसवाल, विष्णु पाटीदार,महेंद्र सिंह रामगढ़, अशोक गोयल,युसूफ भाई, दिलीप सिंह बजेपुर,सूरज सिंह चावड़ा, हरिओम सिंह,जितेंद्र परिहार, दरबार सिंह,जसवंत पुरी गोस्वामी, विलम सिंह,मूलचंद पाटीदार, कृपाल सिंह,चिंटू पटेल,सौरभ भाई,मुंशी काका जाकिर पटेल,मलखान सिंह देवड़ा जीतु कवड़ी आदि उपस्थित हुए

पुलिस ने नाबालिग बालिका को ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

राजगढ़ जिले में नाबालिग बालक-बालिकाओं की खोज हेतु पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी तथा एसडीओपी नरसिंहगढ़ सुश्री मिनी शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बोडा देवेन्द्र राजपूत के नेतृत्व में टीम गठित की। थाना बोडा में एक फरियाद प्राप्त हुई कि एक नाबालिग बालिका लापता है। रिपोर्ट पर थाना बोडा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। तकनीकी विश्लेषण व सीडीआर लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम भोपाल रवाना की टीम द्वारा सायबर की मदद से भोपाल भानपुर से गुमशुदा नाबालिग बालिका को ढूंढकर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए परिजनों के सुपुर्द किया।

एक्सीडेंट में बालिका की मौत, दादा घायल

देवास। देवास बायपास रोड पर राजोदा जेल चौराहे के पास एक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई। तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे युवती के दादा भी गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान करीना चौहान के रूप में हुई है, जो राहुल चौहान की बेटी थीं। वह अपने दादा सीताराम चौहान के साथ देवास से अपने घर मोरुखेड़ी लौट रही थीं। सीताराम चौहान ने बताया कि वे अपनी टीवीएस बाइक की सर्विसिंग कराकर वापस जा रहे थे। राजोदा जेल के पास डंपर ने पहले एक मारुति कार को ओवरटेक किया। इसके बाद डंपर ने पीछे से आ रही उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

देवास पुलिस ने तीन चोरी की वारदातों का किया खुलासा

10 लाख का चोरी का माल जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

पुलिस ने 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सूने घरों को निशाना बनाने वाले चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। थाना कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में हुई तीन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए एक नाबालिग सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 10 लाख रुपए का चोरी का माल बरामद किया गया है।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने बताया कि चोर बंद मकानों की रेकी कर वारदातों को अंजाम देते थे। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी घरों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करते थे।

पहली चोरी 22 नवंबर 2025 को बद्रीधाम एक्सटेंशन, जावर नगर में हुई थी, जहां परिवार के बाहर होने का फायदा उठाकर चोरों ने घर का ताला तोड़ा। दूसरी घटना 1 जनवरी 2026 को सागर विहार कॉलोनी में सामने आई, जिसमें बंद घर से नकदी, आभूषण और मोबाइल चोरी हुए।

नाबालिग सहित पांच चोर गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी खुशाल उर्फ खुशी पिता मनीष मुकुंदे उम्र 20 साल निवासी महाराष्ट्र मंडल जवाहर नगर देवास, आकाश उर्फ शूटर पिता राजाराम चौहान उम्र 20 साल निवासी बद्रीधाम नगर देवास, सुशील पिता रामचन्द्र उर्फ लखन उम्र 22 साल निवासी लक्ष्मण नगर देवास, पीयुष पिता नन्दू कहार उम्र 20 साल निवासी अपेक्स हॉस्पिटल के सामने, ब्रीज के नीचे देवास और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है।

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्री अजय जोशी पिता श्री सत्यनारायणजी, निवासी-399, राजाभाउ महाकाल मार्ग, पानदरीबा, उज्जैन म.प्र. से इनके मालिकाना स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का आवासीय फ्लेट क्रमांक 604 जो भूमि सर्वे क्रमांक 3814/2, 3818/5, 3822/2, 3823/1, 3823/2, 3825, 3826, 3827, 3828, 3829 कस्बा उज्जैन तहसील व जिला उज्जैन पर बने ओम साई ओम मल्टी फ्लैटेड टाउनशिप में निर्मित अपार्टमेंट ₹गोल्डन बी₹ की छठी मंजिल (सिक्सथ फ्लोर) पर स्थित है जिसका बिल्ट अप एरिया 63.83 वर्गमीटर है एवं सुपर बिल्ट अप एरिया 82.90 वर्गमीटर है जिसकी चतुर्सीमा के पूर्व दिशा में फ्लेट क्रमांक 603, पश्चिम में-टाउनशिप का खुला भाग, उत्तर में कॉरिडोर बाद फ्लेट क्रमांक 605, दक्षिण में टाउनशिप की सडक स्थित है को क्रय करने का सौदा किया गया होकर आशिक राशि दे दी गई है। उक्त आवासीय फ्लेट को श्री अजय जोशी पिता श्री सत्यनारायणजी, निवासी-399, राजाभाउ महाकाल मार्ग, पानदरीबा, उज्जैन म.प्र. ने भागीदारी फर्म/मेसर्स ओम श्रीम डेवलपर्स द्वारा भागीदार 1. शरद मित्तल पिता श्री ओमप्रकाश जी मित्तल निवासी बी-10, इन्द्रपुरी कॉलोनी, सेठीनगर, उज्जैन, 2. नवनीत सिंह सिकरवार पिता श्री गोपाल सिंह जी सिकरवार निवासी-बी-4/11, महानंदा नगर, उज्जैन से पंजीकृत विक्रय पत्र दस्तावेज ई पंजीकरण संख्या MP432022018A1092962 पंजीकरण की तिथि 09/02/2018 के माध्यम से क्रय किया है। उक्त आवासीय पफ्लेट का सौदा मेरे पक्षकार ने श्री अजय जोशी पिता श्री सत्यनारायणजी, निवासी-399, राजाभाउ महाकाल मार्ग, पानदरीबा, उज्जैन म.प्र. से किया गया होकर आंशिक राशि दे दी गई है तथा अब उक्त फ्लेट स्वामी को शेष विक्रय मूल्य राशि अदा कर उनसे विक्रय-पत्र का संपादन एवं पंजीयन करवाया जाना शेष है, यदि उक्त वर्णित संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था, शासन, इति आदि का भार, बोझा, गिरवी, हित, अधिकार, डिक्री, अटैचमेंट हो या इस विक्रय व्यवहार में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो व इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिनों में मय लेखी प्रमाण सहित अपनी आपत्ति पंजीकृत डाक से मेरे कार्यालय में प्रेषित करें, अवधि पश्चात उक्त संपत्ति की शेष विक्रय मूल्य की राशि का भुगतान संपत्ति स्वामी को मेरे पक्षकार द्वारा कर सदर संपत्ति के विक्रय पत्र का संपादन व पंजीयन मेरे पक्षकार के हित में करवा लिया जायेगा एवं अवधि पश्चात उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नही रहेगी। सूचित हो

इति दिनांक : 09-01-2026

महेन्द्र मालवीय (एड्व्होकेट)
कार्यालय:-ऑफिस नंबर 143 फर्स्ट फ्लोर, सी-21 रेस-कॉम, नानाखेडा, उज्जैन

सईदाबाग में अमर शहीद स्वर्गीय अंबाराम मालवीय को दी श्रद्धांजलि

सारंगपुर। आज से करीब 5 वर्ष पहले देश की सेवा करते हुए शहीद हुए अंबाराम मालवीय की पुण्य तिथि के अवसर पर बुधवार को उनके ग्राम सईदाबाग पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सारंगपुर थाने के पुलिस अधिकारी एवं ग्रामीण उनकी प्रतिमा स्थल पर पहुंचे और उनको पुष्पमाला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि देश के लिए शहीद होने वाला हर एक जवान एक सितारे की तरह है जिसकी रोशनी कभी कम नहीं होगी। शहीद हमेंशा यह सिद् कर देते है कि जान से बड़ा कर्तव्य और इसलिए उन्होंने देश के लिए अपनी जान को कुर्बान किया। ग्रामीणों ने कहा कि सईदाबाग के वीर शहीद श्री मालवीय हमेशा हमारे दिलो में अमर रहेंगे। उनकी कुर्बानी को कभी नहीं भुलाना जा सकता है। समीपस्थ सईदाबाग में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जनसमुदाय उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि ग्राम सईदाबाग के अंबाराम मालवीय 7 जनवरी 2021 को बंझारी कुईमां गढवा झारखंड में नक्सलियों से लडते हुए शहीद हो गए थे। देश के लिए उनके बलिदान को स्थानीय नागरिकों द्वारा हमेशा याद रखा जा सके और युवा पीढी को देशभक्ति की प्रेरणा मिलती रहे इसलिए शासन-प्रशासन के द्वारा उनके गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है जहां यह आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान उनके परिवारजनों ने भी उन्हें नम आंखो से याद किया।

रतलाम में 24 ग्रामीण महिला उद्यमियों ने किया व्यवसाय शुरू

महिदपुर रोड। एयू उद्योगिनी सक्षम प्रोजेक्ट के अंतर्गत उज्जैन एवं रतलाम जिले के आलोट, ढाबला सिया, मेलाखेड़ी, झाडी सहित विभिन्न गांवों में 24 ग्रामीण महिला ओं की दुकानों का विधिवत उद्घाटन किया गया। इन दुकानों में किराना स्टोर, टेलरिंग व मैचिंग सेंटर, ब्यूटी पार्लर, आटा चक्की, कॉस्मेटिक, रेडीमेड वस्त्र, फॉल-पीको मशीन, फैंसी आइटम्स एवं फास्ट फूड जैसे व्यवसाय शामिल हैं। यह परियोजना एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग से प्योर इंडिया ट्रस्ट द्वारा संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें उद्यमिता के क्षेत्र में सशक्त करना है। शुभारंभ समारोह में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के सी एसआर प्रोग्राम मैनेजर आदित्य चौधरी एवं ढाबला सिया शाखा से पवन उपस्थित रहे और महिलाओं को व्यवसाय में सफलता हेतु शुभका मनाएं दीं। प्योर इंडिया ट्रस्ट के निशां त दुबे ने बताया कि अब तक राजस्थान और मध्यप्रदेश में 1900 से अधिक महिलाओं को व्यवसाय स्थापना में सहयोग किया जा चुका है। कार्यक्रम का संचालन संजीव सैन, जितेंद्र गुर्जर एवं जनप्रतिनिधि दिलीप सैन के सहयोग से किया गया।

विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में रुचि के लिए इस तरह की प्रतियोगिता जरुरी- विरमाल

सारंगपुर। सारंगपुर में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन बुधवार को संपन्न हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान के साथ पर्यावरण विषय पर बच्चों द्वारा शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट मॉडल बनाए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीईओ सुरेश विरमाल ने कहा कि इस विज्ञान मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और प्रयोगों के जरिए अंधविश्वास को दूर करना है। नाटिकाओं और मॉडलों के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश दिया कि हर घटना का वैज्ञानिक कारण होता है। उन्होंने वर्तमान युग को विज्ञान का युग बताते हुए सभी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास को बढावा देने व विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में रुचि उत्पन्ना करने के लिए इस तरह की प्रतियोगिता जरुरी है। इस मौके पर सीएम राइज एवं गुलावता संकुल के बच्चों ने अनेक माडल की प्रदर्शनी लगाई। सीएम राइज के बच्चों ने विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कांकरिया विद्यालय के बच्चों ने नशामुक्ति पर आधारित विषय पर एक लघु नाटिका का मंचन किया जो संदेश नाट के रुप में प्रदर्शित हुई।

45 दिवसीय अखंड रामायण पाठ

इंगोरिया। अचलेश्वर महादेव मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार 45 दिवसीय अखंड रामायण पाठ का आयोजन चल रहा है। पौष सुदी पूर्णिमा से महाशिव रात्रि तक अखंड रामायण पाठ गत 48 वर्षों से प्रति वर्ष हो रहा है। रामायण पाठ में आसपास के क्षेत्रों के धार्मिक श्रद्धालु सहयोग देते हैं। पंडित राजकिशोर चतुर्वेदी ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन हवन, अखंड ज्योति और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होते हैं। पंडित चतुर्वेदी ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर रामायण पाठ में सहयोग प्रदान करे।

पेट्रोल पम्प डकैती की साजिश हुई नाकाम

कुख्यात पारदी गैंग के संगीन वारदात की योजना बना रहे दस हथियार बंद बदमाश गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ राजगढ़-ब्यावरा

राजगढ़ पुलिस ने कुख्यात पारदी गैंग द्वारा पेट्रोल पम्प पर डकैती की बनाई जा रही साजिश को विफल कर दिया। पुलिस ने मौके से 10 हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार कर एक बड़ी व संगीन वारदात को समय रहते रोक लिया।

उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश वर्मा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि 10-12 बदमाश हथियारों से लैस होकर माँ जालपा माता मंदिर के पीछे, पहाड़ी के नीचे जंगल में एकत्रित होकर हाईवे स्थित नायरा पेट्रोल पम्प पर डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल तीन पुलिस टीम गठित कर अलग अलग दिशाओं से घेराबंदी की। पुलिस दल पैदल जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्र में आगे बढ़ा।

जंगल में बैठकर डकैती की योजना बनाने वाले बदमाश तेज धारदार हथियारों से लैस पाए गए तथा

पास में 5 मोटरसाइकिलें खड़ी थीं। बदमाश आपस में बातचीत कर रहे थे कि कौन कर्मचारियों को हथियारों से कवर करेगा, कौन रोड पर निगरानी रखेगा, कौन आफिस में घुसकर नगदी लूटेगा, सभी भूमिकाएं पूर्व से तय थीं। पूर्ण तस्दीक के उपरांत तीनों पुलिस पार्टियों ने एक साथ रेड की. रेड के दौरान बदमाशों ने भागने का प्रयास किया, किंतु पुलिस की मुस्तैदी से तीनों दिशाओं से घेराबंदी कर कुल 10 बदमाशों को मौके से गिरफ्तार किया जिसमे बना पिता धुरीलाल पारदी, महावीर पिता बाबू पारदी, घासी पिता साधु पारदी, सिकंदर पिता बालचंद पारदी, रामपाल पिता जगदीश पारदी, रामबाबू पिता जगन्नाथ पारदी, सुरेश पिता बनेसिंह पारदी, जाबाज पिता जावर पारदी, सहवाग पिता गोवर्धन पारदी, सुमित पिता बाबू पारदी, को गिरफ्तार कर उनके आपराधिक प्रकरणों की जांच की जा रही है। उक्त आरोपियों के पास एक तलवार, दो फर्सी, दो खटकेदार चाकू, दो बेसबॉल बैट, एक लठ्ठ, एक लोहे की रॉड, एक सब्बल, 20 हजार रु नगद और 05 मोटरसाइकिलें जप्त की। उक्त जप्त मोटरसाईकलो मे से 4 मोटरसाईकल चोरी की पाई गई। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

डकैती का फरार आरोपी समीर भी गिरफ्तार

पारदी गैग द्वारा फरियादी गोकुलदास पिता डुगंरमल दंडवानी निवासी पाडल्या रोड सारंगपुर जिला राजगढ के घर डकैती डालने का प्रयास किया था जिस पर थाना सारंगपुर मे अपराध क्रमांक 763/25 धारा 312, 115 (2) बीएनएस पजीबध्द किया विवेचना के दौरान आरोपी साहिल पिता समरथ पारदी निवासी गुलगाव, मुकद्दर पिता अर्जुन पारदी, समीर पिता मुकद्दर पारदी, सतीश पिता सोपाल पारदी ठाकुरी पिता दिधक पारदी सर्व निवासी ग्राम मुरादपुर थाना धरनावदा जिला गुना ने घटना को अंजाम दिया था। जिसमे फरार आरोपी समीर पिता मुकद्दर पारदी निवासी ग्राम मुरादपुर थाना धरनावदा गुना को दबिश देकर ग्राम बोरखेडी थाना धरनावदा से गिरफ्तार किया गया व घटना मे प्रयुक्त वाहन को जप्त किया। राजगढ़ पुलिस जिले में संगठित अपराध एवं गैंग गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रही। आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

अमर्यादित और असंवेदनशील बयान पर

मंत्री विजयवर्गीय का युवक कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर किया पुतला दहन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरोद

गत दिनों इंदौर में नगर निगम द्वारा दूषित पानी वितरण से 17 से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो गई और सैकड़ो की संख्या में लोग बीमार है लेकिन भाजपा सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गी ने इस त्रासदी पर जिम्मेदारी लेने की बजाय अमर्यादित और असंवेदनशील बयान दिया जिसका मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्य बाजार में जुलूस निकाला

जुलूस गणेश देवली से पुराने बस स्टैंड तक घंटनाद करते हुए मंत्री विजयवर्गी का पुतला जलाया। युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष विरम सिंह गुर्जर ने कहा कि भागीरथपूरा की घटना हादसा नहीं बल्कि भा.ज.पा शासित नगर निगम और प्रशासन की

घोर लापरवाही का घातक परिणाम है जिसे भाजपा की सरकार हंसी मजाक में ले रही है जनता इन्हें कदापि माफ नहीं करेगी। गुर्जर ने इस पूरे प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारी, ठेकेदारों और जनप्रतिनिधियों पर हत्या का प्रकरण दर्ज होना चाहिए साथ ही मृतक के प्रत्येक परिवार को एक-एक करोड रुपए देने तथा मृतक के आश्रित को शासकीय नौकरी देने कि मांग भी की है ।

पुतला दहन में यह थे मौजूद

युवक कांग्रेस नागदा ग्रामीण अध्यक्ष रवि शर्मा , खाचरोद ग्रामीण अध्यक्ष पुष्कर पाटीदार जिला महासचिव जितेंद्र पाटीदार, नेपाल सिंह गुर्जर, शहर अध्यक्ष शेरू मंसूरी , आईटी सेल अध्यक्ष नमित वनवट संजय नंदेडा, अनिल भरावा, निसार अंसारी, तनिष्क छाजेड़, निरंजन शर्मा, देव सिंह गुर्जर सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महादेव की कथा में डूबा नगर

भक्ति से ही संभव है मुक्ति का मार्ग- पं. मनमोहन कश्यप

सुसनेर। नगर के मेला ग्राउंड स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव एवं श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन बुधवार को कथा स्थल भक्ति और श्रद्धा से सराबोर नजर आया। कथा वाचन करते हुए प्रसिद्ध कथावाचक पं. मनमोहन कश्यप अग्निहोत्री ने मुक्ति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है और यह केवल सच्ची भक्ति से ही संभव है। पंडित कश्यप ने कहा कि जब मनुष्य भजन और भक्ति को अपने जीवन का हिस्सा बनाता है तब उसके सकारात्मक प्रभाव स्वयं दिखाई देने लगते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के भक्त को प्रसाद मिले या न मिले लेकिन उसे नियमित रूप से कथा श्रवण अवश्य करना चाहिए क्योंकि कथा सुनने से आत्मिक शांति मिलती है और जीवन की दिशा सही होती है। शिव भक्ति से मन, वचन और कर्म की शुद्धि होती है तथा व्यक्ति को मानसिक और आध्यात्मिक बल प्राप्त होता है। कथा के दौरान प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। बड़ी संख्या में उपस्थित महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर नृत्य किया और पूरे परिसर को शिवमय बना दिया।

ताले में बंद ग्रामीण क्षेत्र के सुविधा घर गांवों में असुविधाओं का अंबार

सारंगपुर। जनपद पंचायत सारंगपुर की ग्राम पंचायतो में लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए 32 सुविधा घरों में से अधिकतरताले में बंद पडे हैं। जपं ने ग्रामों में सार्वजनिक शौचालय बनवाए लेकिन इनका फायदा लोगों को नहीं मिल रहा है। दो दर्जन से अधिक सार्वजनिक शौचालय हैं, लेकिन कईयों में ताला है तो कईयों में सुविधाओं के नाम पर हाथ धोने का साबुन तक नहीं है। ग्राम पंचायतों के द्वारा भारत स्वच्छता मिशन के अंतर्गत लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए शौचालयों पर लटका ताला जनपद पंचायत सारंगपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के द्वारा भारत स्वच्छता मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में ठेकेदार के द्वारा करीब 3 लाख 43 हजार की लागत से स्वीकृति होने के बाद अलग-अलग पंचायतों में निर्माण कार्य कराया गया परंतु करीब 6 वर्ष भी ऊपर समय बीतने को है केंद्र सरकार के द्वारा इन पंचायतों के द्वारा लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी बनकर तैयार शौचालय में अभी भी ताले लगे हुए हैं को अभी तक ग्राम पंचायत के द्वारा तैयार इन शौचालयों को चालू नहीं किया गया है।

आज से ब्लॉक कांग्रेस का बूथ चलो गांव चलो अभियान, मनरेगा बचाओ अभियान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

कांग्रेस की मंडलम, पंचायत, वार्ड, मनरेगा, समिति के संबंध में एक आवश्यक बैठक 7 जनवरी बुधवार को झंडासेरी स्थित कांग्रेस कार्यालय पर बड़नगर ब्लॉक कॉंग्रेस अध्यक्ष मधुसूदन भारद्वाज द्वारा आयोजित की गई। ब्लॉक अध्यक्ष भारद्वाज ने बताया गया कि जिला कॉंग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल के नेतृत्व में बूथ चलो गांव चलो अभियान, मनरेगा बचाओ अभियान 9 जनवरी शुक्रवार को बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खरसोदकलां सुबह-10:00 बजे, ग्राम बालोदलक्खा -11:00, ग्राम माधोपुर-11:30, ग्राम खेड़ावदा-12:00, ग्राम बंग्रेड दोपहर-1:00, ग्राम अमला-2:30, ग्राम खरसोदखुर्द-3:00, ग्राम बलेड़ी-शाम-4:00, ग्राम घड़सिंगा 5:00 होगा। समस्त कांग्रेस संगठन के

कार्यकताओं व साथियों से निवेदन है दौरे कार्यक्रम में उपस्थित होकर संगठन के हाथ मजबूत करें । इस अवसर पर ललित यादव, नरेंद्र सिंह धतुरिया, महिपाल सिंह गोड, जगदीश नारायण सिंह, शैलेन्द्र सिंह सिसोदिया, दिलीप सिंह अरंडिया, पकंज जोशी, धनंजय सिंह सिसोदिया, तरुण आचार्य, ललित सोनी, देवेंद्र सिंह बरगाडी, अनिल शर्मा, परमानंद यादव असावता,नरेंद्र सिंह राजावत लोहारिया, महिपाल सिंह पंवार दांतरवा, नंदकिशोर बंबोरिया, कुलदीप नागर बंग्रेड, भावेश जैन, कमलेश ठाकुर, मो. शोबी, मो.रईस, गुलरेज मंसूरी,गुलजार खान,मोहन सिंह राठौर अमला, दिपक सिंह बंग्रेड, आयुष पाटीदार सहित कई साथी मौजूद थे ।

बाइक चोर को अवैध रूप से जहरीली शराब ले जाते किया गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

थाना प्रभारी निरी. अशोक कुमार पाटीदार व टीम के द्वारा 07 जनवरी बुधवार को घेरा बंदी कर अवैध रुप से जहरीली शराब ले जाते हुए 01 आरोपी को पकड़ा गया आरोपी के कब्जे से 10 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची जहरीली शराब जप्त की गई ।

थाना प्रभारी पाटीदार ने बताया कि 7 जनवरी बुधवार को कस्बा भ्रमण के दौरान सूचना मिली कि भैरूजी मंदिर के पास बदनावर रोड बडनगर पर एक व्यक्ति हाथ में थैली के अंदर प्लास्टीक की कैन जिसमें शराब लेकर बदनावर तरफ से आ रहा है । सूचना को तत्काल संज्ञान में लेते हुए टीम तैयार कर मौके पर कार्यवाही के लिये रवाना की गई जिस पर पुलिस टीम व्दारा प्रभावी कार्यवाही कर संदीग्ध व्यक्ती को घेराबंदी कर पकडा व नाम पता पुछते उसने

अपना नाम सुभाष राणा पिता सिमुन राणा उम्र 40 साल निवासी बडी धामनी थाना थांदला जिला झाबुआ का होना बताया । सुभाष राणा के हाथ मे ली हुई थैली को चेक करते थैली के अंदर एक प्लास्टिक की कैन मिली जिसका ढक्कन खोल कर चैक करते उसमे हाथ भट्टी की बनी कच्ची महुआ शराब मात्रा करीबन 10 लीटर किमती करीबन 1000/- रुपये की होना पाई गई । पास से सुंघने पर प्लास्टिक की कैन में से तेज व तीखी यूरिया युक्त शराब की गंध आ रही थी जो की जहरीली प्रतीत हो रही थी। उक्त शराब मानव जीवन के लिए हानिकारक हो सकती थी । बाद आरोपी से उक्त जहरीली शराब को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया । आरोपी सुभाष राणा के विरुद्ध धारा 34, 49-ए आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । गिरफ्तार शुदा आरोपी सुभाष राणा से अन्य अपराधो के बारे में पुछताछ करते आरोपी द्वारा दिनांक 06 जनवरी मंगलवार को कस्बा बडनगर से मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार किया गया था । आरोपी से उक्त मोटर सायकल के बारे में पुछताछ करते बदनावर रोड तरफ झाडियो में छुपाना बताया था जो आरोपी द्वारा बताये स्थान बदनावर रोड के पास झाडियो से चोरी गई हिरो फेशन प्रो मोटर साईकल कीमती 85000/- रुपए की बरामद की गई है।

पंचायत की समस्याओं से सरपंच ने कलेक्टर को कराया अवगत

सारंगपुर। जनपद पंचायत सारंगपुर की ग्राम पंचायत मगराना के सरपंच महेश गुर्जर ने राजगढ़ जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर डा. गिरीश कुमार मिश्रा से मुलाकात की। इस दौरान गुर्जर ने कलेक्टर के समक्ष ग्राम पंचायत में आ रही समस्याओं से अवगत कराया और विकास कार्यो की स्वीकृत की मांग की। इस दौरान श्रीगुर्जर ने उनके द्वारा प्रस्तावित कार्यो से कलेक्टर को अवगत कराया। पूर्व में किए गए कार्यो की जानकारी भी दी। कलेक्टर ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

कृषि में ड्रोन प्रयोग पर शोध पत्र पढ़ा

शुजालपुर। भारत रत्न श्रीअटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय गौलाना के प्राचार्य डॉ बी एस विभूति ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद उज्जैन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में शामिल होकर भारतीय कृषि 4.0 में ड्रोन के प्रयोग एवं उपयोग पर अपना शोध पत्र पढ़ा।

कोचिंग केन्द्र पर सामग्री वितरित की

शुजालपुर। मालवा भूषण आचार्य नवरत्न सागर सूरीश्वर महाराज साहब की दशम पुण्यतिथि के अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी प्रभा विनोद जैन द्वारा निःशुल्क कोचिंग के बच्चों के बीच सर्वप्रथम नवकार मंत्र उच्चारण कराकर ठंड में अत्यंत लाभकारी पिण्डखजूर वितरित कराए गए एवं जरूरतमंदो को ठंड से बचाव के लिए मौजे भी वितरित किए गए। इस अवसर पर दीपक गोयल, अभिनंदन जैन, राजेश जायसवाल, भूपेंद्र गुगलिया, तरुण सोनी, ग्रीष्मा शाह, वीणा गोयल, परमजीत कौर खालसा आदि उपस्थित रहे।

गीता भवन ने जरूरतमंदो को स्वेटर वितरण किए

बड़नगर। कड़कड़ाती ठंड में रात्रि के समय गीता भवन के सेवादारो द्वारा रेलवे स्टेशन बस स्टैंड संगम चौराहा खाक चौक आदि पर जरूरतमंद महिला पुरुषों को गर्म स्वेटर व लांग कोट वितरण कर रहे हैं। इसी क्रम में गीता भवन द्वारा आज तक 3000 स्वेटर का वितरण निशुल्क किये जा चुके है। मंगलवार को अंतिम कड़ी के रूप में भाटपचलाना, चिरोला एवं प्राथमिक विद्यालय नामलपूर में भी शिक्षकों को स्वेटर वितरण हेतु दिए गए। संस्था अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाणी ने बताया कि इसी संदर्भ में मकर संक्रांति पर लगभग 200 नवीन साड़ियां गरीबों को वितरण की जाएगी। स्वेटर व साड़ी वितरण में विनोद मकवाना, प्रेम नारायण पोरवाल, योगेश आचार्य, राजेंद्र कौशल, रमेशचंद, उमाशंकर मेहता के द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही है। जानकारी संजय कुमावत ने दी।

करियर काउंसलिंग का आयोजन

बड़नगर। सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12वी के विद्यार्थीयों के लिये करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया` मुख्य वक्ता फादर जॉबी, संजोस इंस्टिट्यूट ऑफ करियर गाइडेंस, उज्जैन ने विद्यार्थीयों को अपनी क्षमताओ, रुचियों, सकारात्मक सोच,स्पष्टता व सही अवसर पर निर्णय लेकर, अपने करियर को बनाने पर प्रकाश डाला` साथ ही विद्यार्थीयों व पालकों द्वारा किये गये प्रश्नों का समाधान कियो इस अवसर पर प्राचार्या मोली टॉमी, शिक्षकगण व पालकगण उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि फाल्गुन माह की कृष्ण चतुर्दशी को मनाई जाती है। इस दिन व्रत, शिवलिंग का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने से सुख-समृद्धि और ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है।

फरवरी में किस दिन मनाई जाएगी महाशिवरात्रि

जानें सही तिथि और चारों प्रहर का पूजा मुहूर्त

महाशिवरात्रि का पावन पर्व हर वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और भक्त व्रत रखकर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवलिंग का जल, दूध और अन्य पवित्र वस्तुओं से अभिषेक किया जाता है। ब्रह्म मुहूर्त से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है, जो पूरे दिन भगवान शिव की आराधना में लीन रहते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन विधिपूर्वक पूजा और रुद्राभिषेक करने से जीवन में सुख-समृद्धि, उन्नति और मानसिक शांति प्राप्त होती है। साथ ही कुंडली से जुड़े ग्रह दोषों से मुक्ति मिलने की भी मान्यता है। इस पर्व को फाल्गुन मासिक शिवरात्रि भी कहा जाता है, जिसका विशेष आध्यात्मिक महत्व है। ऐसे में भक्तों के लिए यह जानना जरूरी हो जाता है कि महाशिवरात्रि कब मनाई जाएगी, इसकी सही तिथि क्या है, पूजा का शुभ मुहूर्त कौन-सा है और इस पर्व का धार्मिक महत्व क्या है।

महाशिवरात्रि किस दिन है?

साल 2026 में महाशिवरात्रि का पावन पर्व फरवरी महीने में ही मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरूआत 15 फरवरी 2026 को शाम 5 बजकर 4 मिनट पर होगी और इसका समापन 16 फरवरी 2026 को शाम 5 बजकर 34 मिनट पर होगा। चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ रविवार को होने के कारण महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी 2026, रविवार को ही मनाया जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि की पूजा निशिता काल में करना सबसे अधिक फलदायी माना जाता है, क्योंकि यही भगवान शिव की विशेष आराधना का श्रेष्ठ समय होता है। वर्ष 2026 में निशिता काल का शुभ मुहूर्त रात 11:55 बजे से 12:56 बजे तक रहेगा। इस दौरान शिवलिंग का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विधिपूर्वक पूजा करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं, महाशिवरात्रि व्रत का पारण 16 फरवरी 2026 को सुबह 6:42 बजे से दोपहर 3:10 बजे तक किया जा सकेगा। इस प्रकार, श्रद्धालुओं के लिए 15 फरवरी का दिन महाशिवरात्रि पूजा और व्रत के लिए अत्यंत शुभ रहेगा।

महाशिवरात्रि चार प्रहर पूजा का समय

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा रात्रि के चार प्रहरों में की जाती है, जिसका विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि चारों प्रहर में विधिपूर्वक शिव पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साल 2026 में महाशिवरात्रि के दिन चार प्रहर पूजा के शुभ मुहूर्त इस प्रकार रहेंगे।

महाशिवरात्रि पूजा का महत्व

महाशिवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत पावन और महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पर्व से जुड़ी कई धार्मिक मान्यताएं और कथाएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि की ही रात्रि भगवान शिव ने सृष्टि के कल्याण के लिए तांडव नृत्य किया था। वहीं दूसरी मान्यता यह भी है कि इसी शुभ दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। इसी कारण महाशिवरात्रि का पर्व शिव और शक्ति के पावन मिलन का प्रतीक माना जाता है और इस दिन भगवान शिव के साथ मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है।

धार्मिक विश्वास के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन व्रत रखकर विधिपूर्वक शिव पूजन और रुद्राभिषेक करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस व्रत से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती हैं और वैवाहिक व पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही मानसिक तनाव, रोग, कष्ट और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलने की भी मान्यता है। कहा जाता है कि सच्चे मन से की गई महाशिवरात्रि की पूजा से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन से सभी प्रकार के दुखों का नाश कर उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

14 तारीख से पहले कर लें ये काम

शादी पक्की होने में आ रहीं अड़चनों से मिलेगा छुटकारा

कई बार सब कुछ ठीक होते हुए भी विवाह में बार-बार रुकावटें आती हैं। ज्योतिष शास्त्र में बताए गए खरमास में किए जाने वाले सरल उपाय आपके लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं।

कई बार सब कुछ ठीक होते हुए भी विवाह में बार-बार रुकावटें आती हैं। कभी रिश्ते तय होते-होते टूट जाते हैं, तो कभी बात आगे बढ़ ही नहीं पाती। ऐसे में व्यक्ति के मन में यह सवाल उठने लगता है कि आखिर शादी कब होगी और क्यों बार-बार अड़चन आ रही हैं। अगर आप भी ऐसी ही समस्या से जूझ रहे हैं, तो ज्योतिष शास्त्र में बताए गए कुछ खरमास में किए जाने वाले सरल उपाय आपके लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं।

ज्योतिष के अनुसार, जब सूर्यदेव धनु या मीन राशि में गोचर करते हैं, तब खरमास की शुरूआत मानी जाती है। वर्तमान में सूर्यदेव धनु राशि में है और 14 जनवरी तक यहीं रहेंगे। इस अवधि को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि खरमास व्यर्थ होता है। वास्तव में यह समय पूजा-पाठ, दान-पुण्य, आत्मचिंतन और मंत्र साधना के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। इस दौरान किए गए उपाय जीवन की समस्याओं को दूर करने में सहायक होते हैं।

सूर्यदेव को जल अर्पित करें

यदि विवाह में रुकावट आ रही है, तो खरमास के दौरान प्रतिदिन सूर्यदेव को जल अर्पित करना बहुत लाभकारी माना जाता है। सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल लेकर सूर्य को अर्घ्य दें। जल चढ़ाते समय मन को शांत रखें और अपने विवाह से जुड़ी इच्छाओं पर ध्यान केंद्रित करें। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और विवाह संबंधी बाधाएं कम होने लगती हैं।

दान

खरमास के दौरान दान-पुण्य का भी विशेष महत्व है। जरूरतमंदों को अनाज, वस्त्र या धन का दान करें। खासतौर पर पीली वस्तुओं का दान करना शुभ माना गया है। इससे न केवल विवाह में आ रही रुकावटें दूर होती हैं, बल्कि धन संबंधी परेशानियों से भी राहत मिलती है।

दीपक जलाएं

रोजाना घर में दीपक जलाना, धूप-अगरबत्ती करना और ईश्वर से प्रार्थना करना लाभकारी होता है। साथ ही अपनी सोच को सकारात्मक रखें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें और विश्वास रखें कि हर कार्य सही समय पर पूर्ण होगा। खरमास में पीले रंग का अधिक प्रयोग करें। यह रंग जीवन में प्रेम, शांति और सुख-समृद्धि बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

भगवान विष्णु की पूजा

खरमास में भगवान विष्णु की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। विष्णुजी को नारियल, फल और पीले रंग के फूल अर्पित करें। पीला रंग शुभता, शांति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यदि कुंडली में विवाह योग कमजोर है या बार-बार अड़चनें आ रही हैं, तो प्रतिदिन 'ॐ श्रीं ह्रीं पूर्ण गृहस्थ सुख सिद्धये ह्रीं श्रीं ॐ नमः' मंत्र का जाप करें। इस मंत्र का कम से कम 21 बार जाप करने से विवाह के योग मजबूत होने लगते हैं।

Sport

भारत अंडर-19 और दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के बीच जारी तीन वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला बेनोनी में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज ने 200 से ज्यादा रनों की साझेदारी से भारत को अच्छी शुरूआत दिलाई है।

नौ चौके और 10 छक्के...तीसरे यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, 63 गेंदों में जड़ा शतक

बेनोनी। भारत और दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीमों के बीच जारी तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में भी कप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर गरजा है। उन्होंने महज 63 गेंदों में शतक जड़कर विपक्षी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। बेनोनी में खेले जा रहे इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।

आरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी की विशाल साझेदारी से भारत की अच्छी शुरूआत

इस मुकाबले में ऑरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी ने टीम को शानदार शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 227 रनों की विशाल साझेदारी हुई। कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने महज 74 गेंदों में नौ चौके और 10 छक्के की सहायता से 127 रनों की धमाकेदार पारी खेली। वैभव के अलावा आरोन जॉर्ज ने भी तीसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 106 गेंदों का सामना किया और 16 चौके की मदद से 118 रन बनाए। यह पहला मौका नहीं हैं जब 14 वर्षीय सूर्यवंशी का बल्ला गरजा है। इससे पहले उन्होंने दूसरे यूथ वनडे में भी धुआंधार प्रदर्शन किया था। उन्होंने महज 24 गेंदों में 10 छक्के और एक चौके की मदद से 68 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 283.33 का रहा था।

वैभव ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

दक्षिण अफ्रीका की धरती पर अपने पहले शतक के साथ वैभव ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। 14 वर्षीय वैभव पांच अलग-अलग देशों में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इससे पहले उन्होंने भारत, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में शतकीय पारी खेली थी।

कप्तान बनते ही वैभव ने रचा इतिहास

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के लिए बीसीसीआई ने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टीम की कमान सौंपी है। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह यूथ वनडे में किसी टीम की कमान संभालने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड तोड़ा। शहजाद ने साल 2007 में 15 साल 141 दिन की उम्र में पाकिस्तान की अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी।

जैकब बेथेल का शतक, फिर भी ऑस्ट्रेलिया मजबूत; इंग्लैंड की बढ़त 119 रन की

सिडनी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा एशेज 2026 का पांचवां और आखिरी टेस्ट मुकाबला अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल के शानदार पहले टेस्ट शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया सीरीज को 4-1 से जीतने की मजबूत स्थिति में है। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 302/8 रन बना लिए थे और उसे 119 रनों की बढ़त हासिल हो चुकी है। अब मुकाबले का नतीजा पांचवें दिन तय होगा।

जैकब बेथेल का यादगार शतक: 22 वर्षीय जैकब बेथेल के लिए यह पारी किसी सपने से कम नहीं रही। अपने करियर के छठे टेस्ट में और इस सीरीज के दूसरे मैच में बेथेल ने 232 गेंदों में नाबाद 142 रन बनाए। खास बात यह रही कि इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरूआत बेहद खराब रही और पहले ही ओवर में मिचेल स्टार्क ने जैक क्राउली को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। ऐसे मुश्किल हालात में बल्लेबाजी करने उतरे बेटेल ने धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती का शानदार उदाहरण पेश किया।

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है। प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क 9826398272

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

कृषि भूमि बेचना है
उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

शॉप बेचना है
12/1 भोज मार्ग, फ्रीगंज उज्जैन में साढ़े सात 20 की शॉप बेचना है।
संपर्क
9993368146

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

आवश्यकता है
मैनेजर, अस्टिेंट मैनेजर, हाउस कीपिंग, कम्प्यूटर आपरेटर, एकाउंटेंट, सिक्योरिटी गार्ड, चौकीदार की आवश्यकता है। होटल हेतु।
संपर्क
9893374872

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रूफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

दो कारों की आमने-सामने टक्कर 3 युवक घायल, नशे में था ड्राइवर

इंदौर। इंदौर के कनाडिया थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। पहले हादसे में एक कार कंट्रोल होकर बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे के समय ड्राइवर नशे की हालत में था, जिसे पुलिस ने कार की डिक्की से बाहर निकाला। वहीं, दूसरे हादसे में दो कारों की टक्कर में तीन युवक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार पहला हादसा बुधवार-गुरुवार दरमियानी रात करीब 3 बजे संचार नगर के पास हुआ। यहां ढाबे पर शराब पार्टी करने के बाद घर लौट रहे अमन रघुवंशी की कार संतुलन बिगड़ने से सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर के बाद अमन कार के अंदर फंस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और डिक्की के रास्ते अमन को बाहर निकाला। वह काफी नशे में था। हालांकि उसे गंभीर चोट नहीं आई। प्राथमिक उपचार के लिए उसे निजी अस्पताल भेजा गया। बाद में पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को मौके से हटवाया। दूसरा हादसा कनाडिया से बंगाली चौराहे के बीच हुआ, जहां दोनों कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में पल्केश (18) पुत्र मनीष निवासी कनाडिया, राज (22) पुत्र बंटी निवासी देवास और मेहुल (38) पुत्र राजकुमार निवासी खंडवा रोड घायल हो गए। घायलों को एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। दूसरी कार में सवार युवकों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। बताया जा रहा है कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही वे निजी अस्पताल चले गए थे।

9वीं कक्षा की छात्रा ने किया सुसाइड 2 महीने से स्कूल नहीं जा रही थी

इंदौर। इंदौर के पंढरीनाथ इलाके में रहने वाली 15 साल की नाबालिग लड़की ने बुधवार को अपने घर में फांसी लगा ली। माता-पिता जब घर आए तो उन्होंने अपनी बेटी को फंदे पर देखा और बाद में पुलिस को जानकारी दी। पुलिस को मौके पर किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है। पंढरीनाथ पुलिस ने बताया कि जमना नगर में रहने वाली वर्षा पचोरे ने अपने घर में फांसी लगाई। घटना के समय वह घर पर अकेली थी। उसके माता-पिता खजराना मंदिर दर्शन करने गए थे, जबकि उसका भाई काम पर गया हुआ था। वापस आने पर उन्हें घटना की जानकारी मिली। पिता दिनेश पचोरे के अनुसार, बेटी नौवीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी। वह पिछले दो माह से स्कूल नहीं जा रही थी। जब उससे पूछा गया, तो वर्षा ने कहा कि अब उसका मन पढ़ाई में नहीं लगता, इसलिए वह घर पर ही रहती थी। बुधवार को वर्षा को उसकी मां ने घर के काम निपटाने के लिए कहा था, तब उसने कहा कि वह सभी काम कर देगी। वर्षा के परिवार में उसकी दो बहनों में से एक की तीन साल पहले मौत हो चुकी है, जबकि बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। वर्षा सभी भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। उनके पिता पेशे से मजदूर हैं। पुलिस के मुताबिक, मामले में प्रेम प्रसंग के एंगल से भी जांच की जा रही है।

गंदे पानी के कहर के बीच आयुर्वेद का सहारा, घर-घर बांटी जा रही दवाएं

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में फैले संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए मध्य प्रदेश शासन के आयुष विभाग ने एक विस्तृत योजना तैयार की है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के विशेषज्ञों द्वारा यहां विशेष चिकित्सा शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से क्षेत्र के प्रभावित लोगों को आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की जा रही हैं और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया जा रहा है। आयुर्वेद चिकित्सकों की टीम स्थानीय संजीवनी क्लिनिक के डॉक्टरों के साथ मिलकर मरीजों के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड भी रख रही है। शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजीत पाल सिंह चौहान एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि मरीजों को चिकित्सा सहायता एवं दवाइयां प्रदान की जा रही हैं ताकि मरीज जल्दी स्वस्थ हो सकें।

साढ़े 52 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन से हटाया तबेला और गैरेज

इंदौर। इंदौर जिला प्रशासन की टीम ने कलेक्टर शिवम शर्मा के निर्देश पर साढ़े 52 करोड़ रुपये कीमत की सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करवाया। इस जमीन पर भैंसों का तबेला और गैरेज बना था। जानकारी के मुताबिक ग्राम खजराना स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 296 रकबा 0.769 हेक्टेयर भूमि जो की शासकीय भूमि है। इसमें 35000 वर्गफीट के पैकी भाग पर इमरान पटेल द्वारा भैंस का तबेला बनाया गया था और शाकीर शाह द्वारा गैरेज का निर्माण किया गया था। प्रशासन की टीम ने इन पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटकार सरकारी जमीन को खाली करवाया।

नर्स की लापरवाही से डेढ़ महीने के बच्चे का अंगूठा कटकर नीचे गिरा

इंदौर। सरकारी अस्पतालों में इलाज की उपलब्धता के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि गरीब और जरूरतमंद मरीजों को इलाज के नाम पर गंभीर लापरवाही मिलती है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के न्यू चेस्ट वार्ड से जुड़ा एक ऐसा ही मामला सामने आया है। इंट्राकेथ बदलने के दौरान नर्स ने यहां भर्ती डेढ़ माह के बच्चे के अंगूठे पर ही कैंची चला दी। जिससे अंगूठा कटकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद बच्चे को तत्काल सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल भेजा गया जहां सर्जरी कर अंगूठा जोड़ा गया। ताज्जुब की बात यह है कि इस घटना की जानकारी यूनिट के डॉक्टरों ने अस्पताल के अधीक्षक को भी नहीं दी।

महिला प्रोफेसर ने पति पर लगाए मारपीट-प्रताड़ना के आरोप

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला प्रोफेसर ने अपने पति के खिलाफ मारपीट, मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि पति का एक अन्य महिला से प्रेम संबंध है और उसी के चलते वह उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कनाड़िया पुलिस के अनुसार निजी कॉलेज की प्रोफेसर आरती शर्मा निवासी आलोक नगर की शिकायत पर उनके पति नवदीप पुत्र अखिलेश शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2016 से पति काम नहीं कर रहे थे और घर का पूरा खर्च वही उठा रही थीं। इसके बावजूद पति उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने लगे।

बोरिंग के पानी में हैजा वाला बैक्टीरिया, पार्षद का बोर भी दूषित, अब तक 20 की मौत

इंदौर के भागीरथपुरा में पानी के 60 में से 35 सैंपल फेल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के भागीरथपुरा में बोरिंग के पानी में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला है। यह हैजा, टाइफॉइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों की वजह बन सकता है। यहां से लिए गए पानी के 60 में से 35 सैंपल फेल हो गए हैं। वार्ड के बीजेपी पार्षद कमल वाघेला का बोरिंग भी दूषित पाया गया है।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से 20 लोगों की मौत हो चुकी है। 9 मरीज अब भी आईसीयू में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पूरे मामले में अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों की कुल संख्या 437 है। बुधवार रात तक की स्थिति में इनमें से 381 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। यानी फिलहाल 56 मरीज भर्ती हैं।

इधर, बुधवार को भागीरथपुरा चौकी के पास बनी टंकी का वॉल खोला गया। इस दौरान सभी हैरान रह गए। दरअसल, दो दिन पहले जहां ड्रेनेज लाइन का पाइप डाला गया था, वहीं से पानी बाहर आने लगा। कुछ ही देर में ड्रेनेज लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में भी पानी भर गया। हालांकि, नर्मदा लाइन से आ रहे पानी के इस्तेमाल को लेकर पहले ही क्षेत्र में मुनादी कराई जा चुकी थी। लोगों को साफ तौर पर इस पानी का उपयोग न करने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रक्रिया आगे भी कुछ समय तक जारी रहेगी, जिससे नर्मदा लाइन से दूषित पानी पूरी तरह बाहर निकाला जा सके। दूसरी ओर, इलाके में दूषित पानी का खौफ इतना है कि यहां लोग पानी को छानकर और उबालकर पी रहे हैं। लगातार समझाइश भी दी जा रही है कि पीने का पानी उबालकर ही इस्तेमाल करें।

इलाके के लोग टैंकर के पानी पर निर्भर

भागीरथपुरा में इतनी मौतों के बाद लोगों ने बोरिंग का उपयोग बंद कर दिया है। रहवासी टैंकरों और आरओ के पानी पर निर्भर हैं। बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 18 मरीज डायरिया की शिकायत लेकर पहुंचे थे। इनमें से 6 को रेफर किया है।

इंदौर कलेक्टर-मेयर देर रात आरएसएस दफ्तर में

क्या मौतों और अफसरों से तालमेल मामले में तलब किए गए? कांग्रेस बोली- सलामी देने गए अफसर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा और महापौर पुष्यमित्र भार्गव बुधवार देर रात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पहुंचे। संघ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दोनों से भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों और प्रशासनिक तालमेल को लेकर बात की गई।

सूत्रों ने यह भी बताया कि संघ के मालवा प्रांत प्रचारक राजमोहन ने कलेक्टर और महापौर से करीब डेढ़ घंटे तक वन-टू-वन चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, मामला संभाल नहीं पाने पर महापौर को कड़ी फटकार भी लगी है।

महापौर भार्गव, रामबाग स्थित नए संघ कार्यालय 'सुदर्शन' सरकारी गाड़ी से पहुंचे थे। उन्हें छोड़ने के बाद शासकीय वाहन वापस रवाना हो गया था। बैठक खत्म होने के बाद वे अपने निजी वाहन से लौटे।

बैठक से बाहर आने के बाद महापौर भार्गव ने कहा- मैं संघ कार्यालय आता रहता हूं। आज भी सहज ही आया था।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में यह बात भी हुई है कि भविष्य में इस तरह की घटना न हो और प्रशासनिक तालमेल की कमी की बात भी नहीं उठे। सभी अधिकारी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बातों को सुनें और उनके साथ तालमेल बैठाते हुए काम करें। चर्चा का फोकस इस बात पर रहा कि अब इंदौर की छवि को स्वच्छ करना है। पहली प्राथमिकता है कि भागीरथपुरा में हालात ठीक हो जाएं। यहां हर जरूरतमंद तक पहुंचा जाए। बीमारों के इलाज में किसी तरह की कोताही न हो।

कांग्रेस बोली- प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न

- कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा- नलों से जहर बह रहा है, जनता मर रही है। प्रशासन लाचार दिख रहा है और कलेक्टर संघ कार्यालय में उपस्थित होकर राजनीतिक निष्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह प्रशासनिक मर्यादा का घोर उल्लंघन है। वे संघ कार्यालय में सलामी दे रहे हैं।
- कलेक्टर का संघ कार्यालय जाना न केवल चौंकाने वाला है बल्कि प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यह प्रशासन और सत्ताधारी संगठन के खतरनाक गठजोड़ को उजागर करता है। यह साबित करता है कि भाजपा शासन में संवैधानिक पद अब स्वतंत्र नहीं, बल्कि राजनीतिक एजेंडे के उपकरण बन चुके हैं।
- इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों के मामले में बीजेपी पहले ही एक्शन मोड में आ चुकी है। इंदौर में संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने बंद कमरे में महापौर के साथ ही स्थानीय पार्षद कमल वाघेला, एमआईसी मेंबर बबलू शर्मा और संगठन के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे के साथ बैठक की थी।
- इस बैठक में हितानंद ने हिदायत दी थी कि सभी तालमेल से काम करें। बेवजह की बयानबाजी से दूर रहें। यही नहीं, मामले में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी दिल्ली का चक्कर लगा चुके हैं। हाईकमान के आदेश के बाद अब सभी नेताओं की बयानबाजी पर रोक लग चुकी है।

सियासी आग ठंडी करने की तैयारी, इंदौर के दो पार्षदों पर गाज गिरने के आसार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भागीरथपुरा जल त्रासदी को लेकर उठे जनाक्रोश और विपक्ष के लगातार हमलों के बीच सत्ताधारी दल के भीतर बड़ा मंथन चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, मामले की आंच ठंडी करने के लिए इंदौर के दो पार्षदों को घर बैठाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि जिन दो पार्षदों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है, उनमें एक वह पार्षद शामिल हैं जो हाल ही में हाथ सेकते हुए वायरल हुए थे, जबकि दूसरे नाम से शहर की राजनीति भली-भांति परिचित है। संगठन का मानना है कि सीमित कार्रवाई कर जनता के गुस्से और राजनीतिक दबाव को कुछ हद तक शांत किया जा सकता है।

हालांकि, इन पार्षदों को बचाने की कोशिशें भी अंदरखाने तेज हो चुकी हैं। सत्ता-संगठन के कई वरिष्ठ नेता डैमेज कंट्रोल के तहत मामले को नियंत्रित रखने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसी बीच दिल्ली दरबार से भी सख्त संदेश आया है कि इस प्रकरण को लेकर नेता मीडिया में बयानबाजी से दूरी बनाए रखें। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बचाव पक्ष का पलड़ा भारी रह सकता है, लेकिन सवाल यही है कि क्या इस बार जनाक्रोश भारी पड़ेगा या फिर वही होगा, जो अब तक होता आया है।

मुआवजे की रकम बढ़ाने की मांग, मंत्री पुत्र ने सीएम को लिखा पत्र

भागीरथपुरा कांड में हुई मौतों को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच भाजपा डैमेज कंट्रोल मोड में नजर आ रही है। इसी कड़ी में मंत्री पुत्र एवं पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मृतकों के परिजनों को दी जाने वाली सहायता राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि इससे पहले जब जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवारों को मुआवजे के चेक देने पहुंचे थे, तब परिजनों ने नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें लेने से इनकार कर दिया था। इस घटनाक्रम के बाद सरकार पर दबाव और बढ़ गया है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि मुख्यमंत्री इस आग्रह पर कब तक निर्णय लेते हैं और क्या मुआवजे की राशि बढ़ाकर जनाक्रोश को शांत करने की कोशिश सफल हो पाएगी या नहीं।

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

बिना तोड़फोड़ वास्तु समाधान

पं. पंकज शर्मा
• कर्ज बढ़ रहा है
• बच्चा नशा करता है
• पति बीमार है
• काम छूट गया है

मैं करूंगा समाधान
पाटन वाले गुरुजी
Mob.9977444550
पता - शिव मंदिर के पास, जेल रोड, इंदौर

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटनें मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त

ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़

होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com